छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

रायपुर

रायपुर,शनिवार 26 सितंबर 2026

वर्ष-07, अंक-268

पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com   Website: www.eksatbulletin.in

न्यूज इन शॉर्ट

एक गणपति के लिए एकजुट पूरा गांव, 28 साल से कायम है भाईचारे की ये अनोखी परंपरा

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के ओम्मावरम गांव में 28 वर्षों से विनायक चतुर्थी एक अनूठी परंपरा के साथ मनाई जा रही है। यहां पूरा गांव मिलकर केवल एक गणेश प्रतिमा स्थापित करता है।आमतौर पर विनायक चतुर्थी आते ही शहरों और गांवों में अलग-अलग गलियों और मोहल्लों में गणेश प्रतिमाएं स्थापित की जाती हैं। कहीं भव्य पंडाल सजते हैं तो कहीं बड़ी प्रतिमाओं को लेकर उत्साह और प्रतिस्पर्धा देखने को मिलती है। लेकिन आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले का ओम्मावरम गांव इस मामले में बिल्कुल अलग मिसाल पेश करता है। यहां पिछले 28 वर्षों से पूरे गांव के लिए सिर्फ एक ही गणेश प्रतिमा स्थापित की जाती है और जाति-समुदाय की परवाह किए बिना ग्रामण एक साथ मिलकर भगवान गणेश की पूजा करते हैं।नागुलुप्पलापाडु मंडल के ओम्मावरम गांव में करीब तीन दशक पहले शुरू हुई यह परंपरा आज भी उसी उत्साह और एकता के साथ जारी है। गांव के लोगों के लिए गणेश उत्सव सिर्फ धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आपसी भाईचारे और सामूहिक सहभागिता का पर्व बन चुका है। इस वर्ष भी ग्रामीणों ने एक ही गणेश प्रतिमा स्थापित की है। गांव में 11 दिनों तक विशेष पूजा-अर्चना, धार्मिक कार्यक्रम और अन्य आयोजन होते हैं। उत्सव के दौरान पूरा गांव एक साथ दिखाई देता है। हर वर्ग और समुदाय के लोग कार्यक्रमों में शामिल होते हैं।

जमुई पीड़िता की फोटो पोस्ट करने पर CMO के कर्मचारी पर एफआईआर

नई दिल्ली। मीसा ने कहा, हम जाति की सांप-सीढ़ी खेलने थाने में नहीं आए। हम जनता के चुने हुए जनप्रतिनिधि हैं। जब मेरी स्न्क्क्रयहां नहीं ली जा रही तो आप आसानी समझ सकते हैं कि राज्य के गरीबों की क्या स्थिति होती होगी।बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर जमुई जिले में कुछ दिन पहले छेड़छाड़ की शिकार हुई एक नाबालिग लड़की की पहचान कथित रूप से उजागर करने को लेकर विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल ने आक्रामक रूख आजमा लिया है। पार्टी की सांसद मीसा भारती ष्टरू सम्राट के खिलाफ FIR दर्ज कराने सचिवालय पुलिस स्टेशन पहुंचीं। लेकिन यह एफआईआर दर्ज नहीं की गई, हालांकि मुख्यमंत्री कार्यालयके एक कर्मचारी के खिलाफ सचिवालय पुलिस स्टेशन में FIR दर्ज कर ली गई।

नशे में मिला एअर इंडिया का पायलट, स्विटजरलैंड में उतारा-ज्यूरिख से दिल्ली की फ्लाइट उड़ाने वाला था;

नई दिल्ली। एअर इंडिया ने ज्यूरिख-दिल्ली फ्लाइट के पायलट को नशे में पाए जाने के बाद सस्पेंड कर दिया है। उसे स्विट्जरलैंड में ही उतार दिया गया। उड़ान से पहले होने वाले कंपलसरी अल्कोहल टेस्ट में उसके नशे में होने की पुष्टि हुई। जांच पूरी होने तक पायलट का निलंबन जारी रहेगा।यह मामला 6 सितंबर का है। टेकऑफ से पहले ग्राउंड स्टाफ को पायलट से शराब की स्मेल आई थी। उन्होंने अफसरों को उसकी सूचना दी। जिसके बाद पायलट को विमान से उतार दिया गया। उसे उसी फ्लाइट से भारत भेजा गया था।एयर इंडिया ने कहा, फ्रएयर इंडिया की सुरक्षा, नियमों या प्रोटोकॉल के उल्लंघन पर जीरो टॉलरेंस नीति है। ऐसा होने पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाती है।एयरलाइन ने यह भी स्पष्ट किया कि सभी क्रू मेंबर्स को उच्चतम सुरक्षा मानकों का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। एयर इंडिया समय-समय पर इसके लिए जागरूकता अभियान चलाती है।स्विस फेडरल ऑफिस ऑफ सिविल एविएशन ने इस मामले की पुष्टि की है। पायलट पर स्विस नियमों के तहत कार्रवाई की गई।इसकी जानकारी भारत के ष्ठत्र्ष्ट को दी गई। इस वजह से्र्ढ्ढ-151 ज्यूरिख-दिल्ली फ्लाइट तय समय पर ऑपरेट नहीं हो सकी।भारत से उड़ान भरने वाले पायलटों का उड़ान से पहले ड्रग और अल्कोहल टेस्ट अनिवार्य है। वहीं, विदेश से भारत आने वाली फ्लाइट में आमतौर पर टेस्ट लैंडिंग के बाद होता है।एअर इंडिया में पायलटों से जुड़े नियमों के उल्लंघन का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले 4 अगस्त को फुकेट-दिल्ली फ्लाइट के कमांडर पायलट का ड्रग टेस्ट 2 बार पॉजिटिव आया था।

स्वास्थ्य सुरक्षा से जनकल्याण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा छत्तीसगढ़ :मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

आयुष्मान भारत योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर मिला प्रतिष्ठित सम्मान

एक सत बुलेटिन ➢ रायपुर

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (क्क-त्र्ह्वङ्ग) के प्रभावी क्रियान्वयन और हितग्राहियों को बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में छत्तीसगढ़ ने राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। पोर्टेबिलिटी क्लेम्स के समयबद्ध एवं प्रभावी निराकरण में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया गया है।

भारत सरकार के राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (ह्न॥) द्वारा आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के आठ वर्ष तथा आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (ञ्जष्ठरू) के पांच वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आज विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित ÷आरोग्य मंथन 2026÷ में छत्तीसगढ़ को यह सम्मान प्रदान किया गया। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने छत्तीसगढ़ को पोर्टेबिलिटी क्लेम्स के निराकरण में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया। छत्तीसगढ़ की ओर से आयुष्मान भारत योजना के राज्य नोडल अधिकारी डॉ. धर्मेंद्र गहवई ने यह पुरस्कार ग्रहण किया।

इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि राज्य सरकार का संकल्प है कि प्रदेश के किसी भी पात्र नागरिक को आर्थिक कठिनाई के कारण उपचार से वंचित न होना पड़े। बीमारी के समय परिवार को उपचार के साथ आर्थिक सुरक्षा का भरोसा मिले, इसी उद्देश्य से प्रदेश में आयुष्मान भारत योजना को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आयुष्मान भारत योजना ने देश के करोड़ों जरूरतमंद परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा का मजबूत भरोसा

दिया है। छत्तीसगढ़ में भी इस योजना के माध्यम से पात्र परिवारों को गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य सेवाओं और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को लगातार सुदृढ़ किया जा रहा1 है।

प्रदेश से बाहर भी उपचार की चिंता नहीं, पोर्टेबिलिटी बनी स्वास्थ्य सुरक्षा का मजबूत आधार

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना की पोर्टेबिलिटी सुविधा विशेष रूप से उन नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण है, जिन्हें रोजगार, कामकाज अथवा अन्य कारणों से अपने गृह राज्य से बाहर रहना पड़ता है या बेहतर उपचार के लिए दूसरे राज्य जाना पड़ता है। इस व्यवस्था के माध्यम से पात्र हितग्राही देश के अन्य राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में योजना से संबद्ध अस्पतालों में कैशलेस उपचार प्राप्त कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के जो हितग्राही दूसरे राज्यों में उपचार लेते हैं, उन्हें भी योजना का लाभ सहजता से मिले और उनके क्लेम का निराकरण समय पर हो, इसके लिए राज्य सरकार लगातार व्यवस्था को मजबूत कर रही है। पोर्टेबिलिटी क्लेम्स के निराकरण में मिला राष्ट्रीय सम्मान इसी दिशा में किए जा रहे प्रयासों का परिणाम है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर मिली यह उपलब्धि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों, चिकित्सकों, अस्पतालों और योजना के क्रियान्वयन से जुड़े सभी लोगों के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। यह सम्मान हमें स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुलभ, प्रभावी और हितग्राही-केंद्रित बनाने की प्रेरणा देगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि ÷स्वास्थ्य सुरक्षा से जनकल्याण÷ के संकल्प के साथ छत्तीसगढ़ आगे बढ़ रहा है। हमारा प्रयास है कि गंभीर बीमारी किसी परिवार के लिए आर्थिक संकट का कारण न बने और जरूरत के समय प्रत्येक पात्र नागरिक को समय पर गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध हो।

क्लेम प्रोसेसिंग और तकनीकी निगरानी पर विशेष ध्यान

प्रदेश में पोर्टेबिलिटी क्लेम्स के समयबद्ध निराकरण के लिए क्लेम प्रोसेसिंग व्यवस्था, तकनीकी निगरानी, संबद्ध अस्पतालों के साथ समन्वय और लंबित प्रकरणों के निराकरण पर लगातार विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रशासनिक एवं तकनीकी प्रक्रियाओं को इस प्रकार सुदृढ़ किया जा रहा है कि उपचार प्राप्त करने वाले हितग्राहियों को योजना का लाभ लेने में अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

राष्ट्रीय स्तर पर प्राप्त यह सम्मान इस बात को भी रेखांकित करता है कि छत्तीसगढ़ में आयुष्मान भारत योजना के संचालन के लिए विकसित की गई व्यवस्थाएं लाभार्थी-केंद्रित स्वास्थ्य सेवा वितरण को मजबूत करने में प्रभावी भूमिका निभा रही हैं।स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में छत्तीसगढ़ को मिला राष्ट्रीय सम्मान पूरे प्रदेश के लिए गौरव का विषय है।

वंदे मातरम् मां भारती की वंदना और राष्ट्रीय चेतना का स्वर: मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

एक सत बुलेटिन ➢ रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव सायमुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के रोहिणीपुरम स्थित सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सामूहिक गायन कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने विद्यालय के छात्र-छात्राओं, आचार्यों और उपस्थित नागरिकों के साथ 'वंदे मातरम्' का सामूहिक गायन किया। एक स्वर और एक लय में गूंजे 'वंदे मातरम्' से पूरा विद्यालय परिसर राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना से सराबोर हो उठा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने सरस्वती शिशु मंदिर के विकास के लिए 50 लाख रुपये प्रदान करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि 'वंदे मातरम्' केवल राष्ट्रगीत नहीं, बल्कि मां भारती की वंदना, राष्ट्रीय चेतना और देशभक्ति की भावना का सशक्त स्वर है। स्वतंत्रता संग्राम के कठिन दौर में इस गीत ने देशवासियों के भीतर स्वाधीनता की चेतना जगाई और असंख्य क्रांतिकारियों एवं स्वतंत्रता सेनानियों को मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने की प्रेरणा दी। 'वंदे मातरम' का उद्घोष स्वतंत्रता सेनानियों के लिए राष्ट्रप्रेम, साहस और संकल्प की अभिव्यक्ति बन गया था। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने का यह अवसर हमें अपने गौरवशाली इतिहास, स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और उनके त्याग एवं बलिदान को स्मरण करने का अवसर देता है। इसके साथ ही यह नई पीढ़ी को राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का बोध कराने का भी महत्वपूर्ण अवसर है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज विद्या भारती के आह्वान पर देशभर में 25 हजार से अधिक स्थानों पर एक करोड़ से अधिक विद्यार्थियों वंदे मातरम्' का गायन किया जा रहा है।

राजभाषा आयोग के अध्यक्ष प्रभात मिश्रा ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से की भेंट

एक सत बुलेटिन ➢ रायपुर

छत्तीसगढ़ी भाषा, साहित्य और राजभाषा के विकास को समर्पित दो दिवसीय प्रांतीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन 26 एवं 27 सितंबर को जिला बेमेतरा में किया जाएगा। सम्मेलन में प्रदेशभर के साहित्यकारों, विद्वानों, भाषा विशेषज्ञों और राजभाषा से जुड़े प्रतिनिधियों की सहभागिता होगी। सम्मेलन के माध्यम से छत्तीसगढ़ी भाषा के संरक्षण, संवर्धन और व्यापक प्रचार-प्रसार के साथ प्रदेश की समृद्ध साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

त्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के अध्यक्ष एवं राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त श्री प्रभात मिश्रा ने आज मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से सौजन्य भेंट की।

उन्होंने मुख्यमंत्री श्री साय को बेमेतरा में आयोजित होने वाले प्रांतीय राजभाषा सम्मेलन में शामिल होने के लिए सादर आमंत्रित किया। इस दौरान श्री मिश्रा ने सम्मेलन के उद्देश्यों, आयोजन की तैयारियों और कार्यक्रम की रूपरेखा से

महिला पहलवानों ने बृजभूषण के बरी होने के फैसले को दी चुनौती, 'आदर्श पीड़ित' मानक पर उठाए सवाल

एजेंसी ➢ लखनऊ

चार महिला पहलवानों ने एक सत्र न्यायालय में याचिका दायर कर पूर्व भारतीय कुश्ती महासंघ के प्रमुख बृज भूषण शरण सिंह को यौन उत्पीड़न मामले में बरी करने के मजिस्ट्रेट के आदेश को चुनौती दी है।पूर्व बीजेपी सांसद और भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह को यौन उत्पीड़न मामले में बरी किए जाने के खिलाफ महिला पहलवानों ने सेशंस कोर्ट का रुख किया है। महिला पहलवानों ने राउज एवेन्यू कोर्ट में अपील दायर कर 3 अगस्त 2026 के ट्रायल कोर्ट के फैसले को चुनौती दी है। इस अपील मी विनोद तोमर को बरी किए जाने को भी चुनौती दी गई है।

2027 की तैयारी: अखिलेश ने रायबरेली से क्यों फूंका चुनावी बिगुल

एजेंसी ➢ लखनऊ

2027 के विधानसभा चुनाव प्रचार की शुरुआत के लिए अखिलेश यादव ने रायबरेली को ही क्यों चुना? सपा जिस इंडिया गठबंधन का हिस्सा है, उसके शिखर नेता राहुल गांधी का रायबरेली निर्वाचन क्षेत्र है। रायबरेली और अमेठी की लोकसभा सीटें गांधी परिवार की पर्याय रहीं हैं। लोकसभा चुनाव में सपा इन सीटों पर अपने उम्मीदवार नहीं उतारती, लेकिन विधानसभा चुनाव में तस्वीर दूसरी रहती है।

साल 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा

रायबरेली की 6 में 4 और अमेठी की 4 में दो सीटों पर जीती थी। दोनों जिलों की कुल 10 विधानसभा सीटों में सिर्फ एक पर कांग्रेस दूसरे स्थान पर थी। 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद 2027 में एक बार फिर कांग्रेस और सपा के गठबंधन में चुनाव लड़ने की अटकलें लग रहीं हैं, लेकिन कांग्रेस सीटों में बड़ी हिस्सेदारी चाहती है।

UPITS में बोले अमित शाह

यूपी में तैयार ब्रह्मोस अब पाकिस्तान की नींद उड़ा रहे, डिफेंस प्रोडक्ट के एक्सपोर्ट में 56 गुना इजाफा

एजेंसी ➢ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज शुक्रवार को कहा कि उत्तर प्रदेश अब बदल गया है और बदले हुए उत्तर प्रदेश में तैयार ब्रह्मोस मिसाइलों ने पाकिस्तान की नींद उड़ा दी है। यही नहीं अमेठी में बनीे्च-203 असॉल्ट राइफल ÷नक्सलियों और आतंकवादियों÷ के खिलाफ एक हथियार बन गई है। साथ ही यह भी कहा कि हमारा डिफेंस प्रोडक्ट का एक्सपोर्ट में भी 56 गुना का इजाफा हो गया है।

अमित शाह ग्रेटर ने नोएडा में उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो के चौथे एडिशन के उद्घाटन के मौके कहा, ÷दुनिया भर में उथल-पुथल और लगातार बनी अशांति के माहौल के बीच, कई बाधाओं के बावजूद भारत ने लगातार अपनी विकास दर बनाए रखी है। न केवल इसे बनाए रखा है, बल्कि इसे आगे भी बढ़ाया।करीब 9 साल पहले 2017 के बाद से क्च्छ्वक्शासन के दौर में उत्तर प्रदेश में आए बदलाव का जिक्र करते हुए अमित शाह ने कहा, आज, उत्तर प्रदेश में बनी ब्रह्मोस पाकिस्तान की नींद उड़ा देती है। प्रदेश में बदलाव का यह सबसे बड़ा संकेत है।÷ उन्होंने यह भी याद दिलाया कि भारत ने कैसे पहलगाम में नागरिकों की बर्बर हत्याओं का बदला लेने के लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान ब्रह्मोस मिसाइलों का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया था।अमित शाह ने उत्तर प्रदेश में 'एक जिला एक उत्पाद ' पहल की भी तारीफ की और दावा किया कि इससे सबसे अधिक आबादी वाले राज्य में रोजगार के अवसर पैदा करने में मदद मिली है। उन्होंने कहा, ÷एक दौर था जब यहां के लोग रोजगार की तलाश में देश के कई अन्य के राज्यों में जाया करते थे। लेकिन प्रदेश के वही युवा आज ODOP की वजह से अपने ही राज्य में रोजगार पा रहे हैं।

न्यूज इन शॉर्ट

जिले के युवाओं के लिए रोजगार का सुनहरा अवसर, रायपुर में 7 व 8 अक्टूबर को राज्य स्तरीय रोजगार मेला

एमसीबी। छत्तीसगढ़ शासन के कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग के तत्वाधान में युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 07 एवं 08 अक्टूबर 2026 को दो दिवसीय राज्य स्तरीय रोजगार मेला आयोजित किया जा रहा है। रोजगार मेले का आयोजन बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम, बुढ़ापारा, रायपुर में किया जाएगा। मेले में विभिन्न निजी क्षेत्रों में उपलब्ध लगभग 8,000 से अधिक रिक्तियों के लिए उद्योगों एवं निजी क्षेत्र के नियोजक उपस्थित रहेंगे तथा पात्र आवेदकों का साक्षात्कार लेकर चयन की प्रक्रिया पूरी करेंगे।

भारी बारिश के मद्देनजर कल प्रदेश के सभी स्कूलों में रहेगा अवकाश = मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय

रायपुर। प्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश और मौसम की मौजूदा स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शनिवार 26 सितंबर को प्रदेश के सभी स्कूलों में अवकाश के निर्देश दिए हैं।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भारी बारिश के कारण कई क्षेत्रों में जलभराव, नदी-नालों के जलस्तर में वृद्धि तथा आवागमन में कठिनाई की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। ऐसी परिस्थितियों में स्कूली बच्चों को किसी प्रकार का जोखिम न उठाना पड़े, इसे ध्यान में रखते हुए प्रदेशभर के विद्यालयों में अवकाश रखने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री ने अभिभावकों से अनुरोध किया है कि बच्चों को घर पर ही रखें। साथ ही सतर्क रहें और अनावश्यक यात्रा से बचें।मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों एवं सभी जिला कलेक्टरों को निर्देश दिए हैं कि आदेश का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

बालोद सड़क दुर्घटना पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने जताया गहरा शोक

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने बालोद जिले के मरकाटोला घाट में हुई भीषण सड़क दुर्घटना में कई लोगों के असामयिक निधन पर गहरा दु:ख व्यक्त किया है।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस हृदयविदारक घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले शोकाकुल परिवारों के प्रति उनकी गहरी संवेदनाएं हैं। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति तथा घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना की है।मुख्यमंत्री श्री साय ने घायलों के समुचित उपचार के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि दु:ख की इस घड़ी में छत्तीसगढ़ सरकार प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है।

सीएम हेल्पलाइन से मिली समाधान की राह, दिव्यांग अनूप का बना आधार कार्ड

रायपुर। नागरिकों की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान तक पहुंचाने में सीएम हेल्पलाइन 1076 जरूरतमंद परिवारों के लिए मददगार साबित हो रही है। सरगुजा जिले के लुण्ड्रा विकासखंड के ग्राम तुरियाबिरा निवासी राजू गुप्ता के 11 वर्षीय दिव्यांग पुत्र अनूप गुप्ता का आधार कार्ड बायोमेट्रिक प्रक्रिया में आ रही कठिनाई के कारण नहीं बन पा रहा था। कई प्रयासों के बाद भी आधार नामांकन नहीं होने पर पिता ने सीएम हेल्पलाइन 1076 में समस्या दर्ज कराई। शिकायत के बाद प्रशासन और संबंधित विभाग ने लगातार प्रयास करते हुए अनूप की आधार नामांकन प्रक्रिया पूरी कराई। आधार कार्ड बनने से परिवार की लंबे समय से चली आ रही चिंता दूर हुई है।राजू गुप्ता अपने बेटे अनूप का आधार नामांकन कराने बरगीडीह आधार केंद्र पहुंचे थे। उनके पास जन्म प्रमाण पत्र सहित आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध थे, लेकिन अनूप की दिव्यांगता के कारण बायोमेट्रिक प्रक्रिया पूरी करने में कठिनाई आ रही थी। इस वजह से आधार नामांकन की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पा रही थी। बार-बार प्रयास के बावजूद सफलता नहीं मिलने से परिवार परेशान था।

समस्या का समाधान नहीं होने पर राजू गुप्ता ने 5 सितम्बर 2026 को सीएम हेल्पलाइन 1076 में शिकायत दर्ज कराकर अपनी परेशानी शासन-प्रशासन तक पहुंचाई।शिकायत मिलते ही समाधान के लिए शुरू हुए प्रयाससीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज होने के बाद प्रकरण संबंधित विभाग तक पहुंचा। ई-जिला प्रबंधक स्तर पर मामले की जांच कर आधार

सेवा संकल्प अभियान- आंगनबाड़ी के नन्हे-मुन्नों के साथ स्नेह और अपनत्व की खुशियां, ग्राम मट्टा में हुआ न्योता भोज

नन्हे बच्चों संग जनप्रतिनिधियों ने साझा की भोजन की खुशियां, मट्टा में दिखी सामुदायिक सहभागिता

संवाददाता ➤ एमसीबी/

सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत आज जिले के भरतपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत मट्टा के आंगनबाड़ी केंद्र में नन्हे-मुन्ने बच्चों के साथ आत्मीयता, स्नेह और अपनत्व से भरा न्योता भोज आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती यशवंती सिंह तथा विशिष्ट अतिथि जनपद पंचायत अध्यक्ष भरतपुर मायाप्रताप सिंह सहित प्रदीप कुमार मंडल अध्यक्ष, हीरालाल यादव महामंत्री, सरपंच धरमपाल बैगा, रामाश्रय पाण्डेय महामंत्री, कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े, अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार, एसडीएम भरतपुर शशि शेखर मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर स्वप्निल वर्मा एवं नेहा खलखो, उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों एवं उपस्थित अतिथियों ने आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों के साथ बैठकर भोजन किया और उनके साथ आत्मीय समय बिताया।

पौष्टिक आहार के साथ बच्चों को मिला स्नेह और अपनत्व

न्योता भोज का उद्देश्य बच्चों को पौष्टिक एवं संतुलित आहार उपलब्ध कराने के साथ उनमें अपनत्व और सामुदायिक सहभागिता की भावना को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को प्रेमपूर्वक भोजन कराया गया। जनप्रतिनिधियों और अतिथियों के साथ भोजन पाकर बच्चों में खासा उत्साह और खुशी देखने को मिली। बच्चों के चेहरे पर दिखाई दी मुस्कान ने पूरे आयोजन को आत्मीय बना दिया।

पोषण के साथ संस्कार और सामाजिक सहभागिता का संदेश

न्योता भोज के माध्यम से बच्चों के पोषण पर ध्यान देने के साथ समाज के प्रत्येक वर्ग को उनके स्वस्थ विकास और

बेहतर भविष्य में सहभागी बनने का संदेश दिया गया। इस पहल से बच्चों को पौष्टिक भोजन के साथ स्नेह और अपनत्व का वातावरण भी मिला। आंगनबाड़ी केंद्र में आयोजित यह आयोजन बच्चों के लिए विशेष और यादगार अवसर बन गया।

बच्चों के स्वस्थ भविष्य के लिए सामुदायिक भागीदारी

आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों को पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा से जोड़ने के साथ सामुदायिक भागीदारी को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। ग्राम मट्टा में आयोजित न्योता भोज इसी भावना की सुंदर मिसाल बना, जहां जनप्रतिनिधियों ने बच्चों के साथ भोजन कर उनके प्रति स्नेह और सहयोग की भावना व्यक्त की। इस तरह के आयोजन बच्चों के पोषण एवं स्वस्थ विकास को बढ़ावा देने के साथ समाज में सामुदायिक सहभागिता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को भी मजबूत करते हैं।

बिलाईगढ़: यौन उत्पीड़न और फर्जीवाड़े के आरोपी सीएमओ यशवंत देवांगन निलंबित, स्वच्छता दीदियों के संघर्ष की बड़ी जीत

संवाददाता ➤ बिलाईगढ

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के नगर पंचायत बिलाईगढ़ में मिशन क्लीन सिटी और जय मां समलाई स्व-सहायता समूह की स्वच्छता दीदियों के लंबे संघर्ष की आखिरकार जीत हुई है। महिलाओं के कड़े विरोध और 29 सितंबर को एसडीएम कार्यालय के महाघेराव की चेतावनी के बाद, शासन ने दागी प्रभारी सीएमओ यशवंत कुमार देवांगन को 25 सितंबर 2026 को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

इस पूरे विवाद की शुरुआत सीएमओ पर लगे गंभीर आरोपों से हुई थी। 10 सितंबर 2026 को सौंपी गई एसडीएम की जांच रिपोर्ट में यह सिद्ध हो गया था कि सीएमओ देवांगन ने स्वच्छता दीदियों के साथ अश्लील हरकतें कीं, द्विअर्थी बातें कीं और उनका यौन उत्पीड़न किया। इसके अलावा, %वूमेन फार ट्री% योजना और अन्य कार्यों का भुगतान भी जानबूझकर रोका गया। जब महिलाओं ने शिकायत की, तो बदले की भावना से सीएमओ ने शासकीय दस्तावेजों में गंभीर कूटरचना (फर्जीवाड़ा) की। 14 अगस्त को परिषद की बैठक में पचरी निर्माण के लिए सर्वसम्मति से पास हुए एजेंडा क्रमांक 21 को, 7 सितंबर को बंद कमरे में बदलकर महिलाओं को नौकरी से निकालने का फर्जी प्रस्ताव बना दिया गया। एसडीएम जांच में आरोप सिद्ध होने के बावजूद 15 दिनों तक अधिकारी पर कोई कार्रवाई नहीं हुई थी, जिसके बाद आक्रोशित महिलाओं ने 28 सितंबर तक एफआईआर और निलंबन न होने पर 500 से अधिक महिलाओं द्वारा उग्र आंदोलन का अल्टीमेटम दिया था। इस भारी दबाव और एसडीएम की रिपोर्ट के आधार पर, संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास ने श्री देवांगन को निलंबित करते हुए उनका मुख्यालय बिलासपुर निर्धारित कर दिया है। एसडीएम रिपोर्ट में आरोपी अधिकारी पर भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत एफआईआर दर्ज करने की भी स्पष्ट अनुशंसा की गई है।

सेवा संकल्प अभियान में गूंजा स्वच्छता का संकल्प, महाराजबंध तालाब में हुआ श्रमदान

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने दिलाई स्वच्छता की शपथ

पांच सफाई मित्रों का सम्मान; जनप्रतिनिधियों व नागरिकों ने किया श्रमदान और पौधरोपण

संवाददाता ➤ रायपुर

स्वच्छता ही सेवा 2026 एवं सेवा संकल्प अभियान के तहत आज रायपुर के मठपारा स्थित महाराजबंध तालाब में श्रमदान एवं सफाई अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, नगर निगम की टीम, ग्रीन आर्मी, स्वयंसेवी एवं सामाजिक संगठनों तथा बड़ी संख्या में जागरूक नागरिकों ने सहभागिता निभाई और तालाब को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव, राज्यसभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, विधायक श्री सुनील सोनी, श्री मोतीलाल साहू, श्री पुरंदर मिश्रा, महापौर श्रीमती मीनल चौबे, महंत रामसुंदर दास, कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री संबित मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ श्री कुमार बिश्वरंजन, सूडा के सीईओ श्री सुमित अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

स्वच्छता के लिए सामूहिक श्रमदान

अभियान के दौरान प्रतिभागियों ने महाराजबंध तालाब परिसर में श्रमदान करते हुए कचरे एवं गंदगी की सफाई की। इस अवसर पर नागरिकों को तालाब एवं जलस्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से तालाब

में कचरा नहीं डालने तथा सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने का संदेश दिया गया।

उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने उपस्थित जनसमुदाय को स्वच्छता की शपथ दिलाई। उन्होंने स्वच्छता को केवल अभियान तक सीमित न रखते हुए इसे दैनिक जीवन की आदत बनाने का आह्वान किया।

पांच सफाई मित्रों का हुआ सम्मान

कार्यक्रम में स्वच्छता के क्षेत्र में योगदान देने वाले पांच सफाई मित्रों को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में-श्री रमेश सोना, श्री अवधेश सोनी, श्री घना कुर्रे, श्री अमित धीवर एवं श्री राहुल राजपूत शामिल रहे। अतिथियों ने सफाई मित्रों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि शहर को स्वच्छ रखने में स्वच्छता कर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

कार्यक्रम के अंत में अतिथियों द्वारा पौधरोपण भी किया गया। स्वच्छता के साथ पर्यावरण संरक्षण को जोड़ते हुए उपस्थित लोगों ने शहर को स्वच्छ, सुंदर और हरित बनाने का संकल्प लिया।÷सेवा मेरा योगदान÷ की भावना के साथ आयोजित इस अभियान में जनप्रतिनिधियों, प्रशासन, नगर निगम, ग्रीन आर्मी, स्वयंसेवी संगठनों भागीदारी देखने को मिली।

कार्यक्रम के दौरान विधायक श्री सुनील सोनी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने सेवा, सहभागिता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना के साथ स्वच्छता अभियानों में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी का आह्वान किया।

'मेरे सपनों का भारत' को बालिकाओं ने रंगों और शब्दों में किया साकार

संवाददाता ➤ रायपुर

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विशेष बालिकाओं की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने और उन्हें अपने विचारों एवं भावनाओं को अभिव्यक्त करने का अवसर देने के उद्देश्य से सरगुजा जिले के अम्बिकापुर में 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर विद्यालय स्तरीय ड्राइंग एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित शासकीय बौद्धिक मंदतावाली बालिकाओं की संस्था में आयोजित प्रतियोगिता में बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपने सपनों के भारत की कल्पना को रंगों और शब्दों के माध्यम से अभिव्यक्त किया।

रंगों में उकेरी अपने सपनों के भारत की तस्वीर

ड्राइंग प्रतियोगिता में बालिकाओं ने अपनी कल्पनाशक्ति और रचनात्मकता का परिचय देते हुए बेहतर भारत की अपनी सोच को चित्रों में उतारा। रंगों और आकृतियों के माध्यम से उन्होंने अपने सपनों, उम्मीदों और भविष्य की कल्पना को अभिव्यक्त किया।

भाषण में साझा की समावेशी और विकसित भारत की आकांक्षा

भाषण प्रतियोगिता में बालिकाओं ने 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर अपने विचार रखे। प्रतिभागियों ने बेहतर, समावेशी और विकसित भारत के निर्माण से जुड़ी अपनी आकांक्षाओं को साझा किया। प्रतियोगिता ने उन्हें कौशल को विकसित करने का अवसर दिया।

जल अर्पण प्रमाण पत्र प्रदान, फील्ड टेस्ट किट से हुई पेयजल स्रोतों की जांच

सेवा संकल्प अभियान- ग्राम पथर्रा में जल अर्पण दिवस एवं जल चौपाल का आयोजन

जल संरक्षण, संवर्धन और नल-जल योजना के बेहतर रखरखाव के लिए ग्रामीणों को किया गया जागरूक

संवाददाता ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले में जल संरक्षण, सुरक्षित पेयजल एवं जनभागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में आज मरवाही विकासखंड के ग्राम पथर्रा में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं जल संसाधन विभाग द्वारा जल चौपाल, जल संकल्प, ग्रामीण पेयजल स्रोत जांच एवं ग्राम जल सुरक्षा संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों को सुरक्षित एवं स्वच्छ पेयजल के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान फील्ड टेस्ट किट के माध्यम से पेयजल स्रोतों के पानी की गुणवत्ता की जांच कर ग्रामीणों को जल परीक्षण की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। साथ ही जल स्रोतों को स्वच्छ एवं सुरक्षित रखने, पानी का विवेकपूर्ण उपयोग करने, वर्षा जल के संरक्षण तथा जल स्रोतों के संवर्धन के लिए सामुदायिक सहभागिता पर जोर दिया गया।

इसी अवसर पर ग्राम पथर्रा में जल अर्पण दिवस का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत ग्राम को जल अर्पण प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। ग्रामीणों को नल-जल योजना के सुचारू संचालन एवं नियमित रखरखाव में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा उपलब्ध जल का सदुपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। जल सुरक्षा संवाद के दौरान ग्रामीणों को बताया गया कि जल स्रोतों की सुरक्षा और संरक्षण सामूहिक जिम्मेदारी है। पेयजल योजनाओं की दीर्घकालिक सफलता के लिए जल स्रोतों का संरक्षण, नियमित देखरेख तथा पानी की गुणवत्ता पर निगरानी आवश्यक है। सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों ने जल संरक्षण एवं संवर्धन के साथ सुरक्षित पेयजल के प्रति सजग रहने और जल की प्रत्येक बूंद का सदुपयोग करने का संकल्प लिया।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग कवर्धा
जिला–कबीरधाम (छ.ग.)
Ph. No. 07741-232068
Email ID – ee-res.kawardha@nic.in
क्रमांक /1706 /निविदा/ग्रा.या.सेवा/2026–27
कबीरधाम दिनांक 25/08/2026

संक्षिप्त ई–निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 03. (द्वितीय आमंत्रण)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत (लोक निर्माण विभाग में) "द" एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्न दर्शित विकासखण्ड अन्तर्गत छोटे–छोटे रू. 30.00 लाख लागत तक के विभिन्न निर्माण कार्यो का जोनल निविदा (30 लाख तक) के निर्माण कार्य हेतु दिनांक 09.09.2026 तक ऑनलाइन जोनल ई– निविदा आमंत्रित की जाती है।

सं.क्र.	कार्य का विवरण	प्रत्येक भाग की अनुमानित लागत (रू.लाख में)
1.	जोनल निविदा वि.ख. कवर्धा भाग– 02, (कुल 01)	30.00
2.	जोनल निविदा वि.ख. पण्डरिया भाग– 02, (कुल 01)	30.00
3.	जोनल निविदा वि.ख. स.लोहारा भाग– 01, 02, (कुल 02)	30.00

उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी विभागीय वेबसाईट में https://eproc.cgstate.gov.in में अथवा कार्यायलीन अवधि में कार्यालय में उपस्थिति होकर दिनांक 31.08.2026 से देखी जा सकती है।

262703537/1

(सुरेन्द्र कुमार पटेल)
कार्यपालन अभियंता,
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग कवर्धा
जिला–कबीरधाम(छ.ग.)

न्यूज इन शॉर्ट

मरकाटोला घाट सड़क हादसे पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने जताया गहरा शोक, घायलों के बेहतर उपचार के दिए निर्देश

रायपुर। कांकेर, बालोद एवं धमतरी जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में नेशनल हाईवे-30 स्थित मरकाटोला घाट पर हुए दर्दनाक सड़क हादसे में कवर्धा के लोगों के निधन पर उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने गहरा दु:ख व्यक्त किया है। उन्होंने इस हृदयविदारक घटना पर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगतजनों की आत्मा की शांति और शोकाकुल परिजनों को इस अपार दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने हादसे की जानकारी मिलते ही घायलों के उपचार को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल रेफर किए गए सभी घायलों के समुचित एवं बेहतर इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि श्री शर्मा ने अपने सोशल मीडिया संदेश में कहा कि मरकाटोला घाट पर हुए सड़क हादसे में कवर्धा के लोगों के निधन की खबर अत्यंत हृदयविदारक है। इस दु:खद घटना में दिवंगतजनों के प्रति उनकी गहरी संवेदनाएं हैं। उन्होंने ईश्वर से सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की है।

भारी बारिश को लेकर मंत्री श्री केदार कश्यप ने बस्तर संभाग के सभी कलेक्टरों से ली स्थिति की जानकारी

रायपुर। बस्तर संभाग में लगातार हो रही भारी बारिश और कई क्षेत्रों में जलभराव एवं बाढ़ जैसी स्थिति को देखते हुए कैबिनेट मंत्री श्री केदार कश्यप ने संभाग के सभी जिलों के कलेक्टरों से दूरभाष पर चर्चा कर स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने बारिश से प्रभावित क्षेत्रों, नदी-नालों के जलस्तर, आवागमन की स्थिति तथा प्रशासन द्वारा संचालित राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को पूरी सतर्कता से कार्य करने के निर्देश दिए।मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में नागरिकों की सुरक्षा प्रशासन की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। जहां भी जलभराव अथवा बाढ़ की स्थिति बन रही है, वहां प्रशासन तत्काल राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करे। प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के साथ उनके लिए भोजन, स्वच्छ पेयजल, दवाइयों और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की जाए।उन्होंने कलेक्टरों को निचले और संवेदनशील इलाकों तथा नदी-नालों के जलस्तर की लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए। जिन मार्गों, पुल-पुलियों या रपटों पर पानी बह रहा हो, वहां लोगों को आवागमन न करने दिया जाए। आवश्यकता के अनुसार पुलिस एवं प्रशासन की टीम तैनात कर बैरिकेडिंग और अन्य सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाएं।मंत्री श्री कश्यप ने बस्तर के ग्रामीण, वनांचल और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों तक समय पर सहायता पहुंचाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि बारिश के कारण संपर्क मार्ग प्रभावित होने की स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्थाएं तैयार रखी जाएं और राहत दल आवश्यक संसाधनों के साथ सतर्क रहें, ताकि आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई हो सके। मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि प्रत्येक प्रभावित व्यक्ति तक समय पर सहायता पहुंचाना और जनहानि रोकना सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को जिला स्तर पर स्थिति की लगातार समीक्षा करने, आवश्यकतानुसार संसाधनों की तत्काल व्यवस्था करने तथा मैदानी अमले को सक्रिय रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन और संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें, ताकि किसी भी प्रभावित परिवार तक सहायता पहुंचाने में विलंब न हो।मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि जिन क्षेत्रों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की आवश्यकता हो, वहां राहत शिविरों की समुचित व्यवस्था की जाए। शिविरों में भोजन, पेयजल, आवश्यक दवाइयां और प्राथमिक उपचार की सुविधा उपलब्ध हो। बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों और जरूरतमंद लोगों की आवश्यकताओं का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने बारिश और जलभराव के बाद उत्पन्न हो सकने वाली स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को देखते हुए स्वास्थ्य अमले को सतर्क रखने के निर्देश भी दिए।नागरिकों से सावधानी बरतने की अपील

मंत्री श्री कश्यप ने नागरिकों से अपील की कि भारी बारिश के दौरान तेज बहाव वाले नदी-नालों, जलमग्न पुल-पुलियों और रास्तों को पार करने का प्रयास न करें। जोखिम वाले क्षेत्रों में जाने से बचें और स्थानीय प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें।

सड़कों, पुलों और भवनों के काम को मिलेगी रफ्तार, वर्किंग सीजन का पूरा उपयोग करने पीडब्लूडी तैयार

सड़कों, पुलों और भवनों के काम को मिलेगी रफ्तार, वर्किंग सीजन का पूरा उपयोग करने पीडब्लूडी तैयार

लोक निर्माण विभाग के सचिव ने निर्माणाधीन और अप्रारंभ कार्यों को द्रुत गति से शुरू करने तैयारियों की समीक्षा की

संवाददाता ➤ रायपुर

लोक निर्माण विभाग बरसात के बाद सडकों, पुल-पुलियों और भवनों के निर्माण को रफ्तार देने की तैयारी में है। लोक निर्माण विभाग के सचिव श्री मुकेश कुमार बंसल ने आज वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों और सभी परिक्षेत्रों के मुख्य अभियंताओं, अधीक्षण अभियंताओं एवं कार्यपालन अभियंताओं की बैठक लेकर फील्ड में कार्यों को गति देने की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने ठेकेदारों के साथ भी बैठक कर निर्माण सामग्री, मशीनरी और मानव संसाधन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

लोक निर्माण विभाग के सचिव ने नवा रायपुर स्थित निर्माण भवन में आयोजित बैठक में अक्टूबर से निर्माणाधीन कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाने और अप्रारंभ कामों को शुरू कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को कार्यस्थलों की समस्याओं का तत्परता से निराकरण कर ठेकेदारों को बाधामुक्त कार्यस्थल उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने ठेकेदारों से नियमित संवाद और अच्छा समन्वय रखते हुए टाइमलाइन के अनुसार कार्यों की प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यों में गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने को कहा।श्री बंसल ने सभी कार्यपालन अभियंताओं को हर दो महीने में अनुविभागीय अधिकारियों, सहायक अभियंताओं, उप अभियंताओं और ठेकेदारों के साथ बैठक कर प्रगति की समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभाग के सिविल और विद्युत-यांत्रिकी शाखा के अभियंताओं को आपसी तालमेल से काम करने को कहा। दोनों शाखाओं के बीच समन्वय की कमी से कार्यों की प्रगति प्रभावित नहीं होना चाहिए। उन्होंने एनआईटी तैयार करते समय कार्य पूरा करने की अवधि को व्यावहारिक रखने के निर्देश दिए। उन्होंने ठेकेदारों द्वारा किए जा रहे कार्यों का मूल्याकंन कर हर महीने भुगतान करने को कहा।

लोक निर्माण विभाग के सचिव श्री बंसल ने ठेकेदारों के साथ भी बैठक कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने निर्माण कार्यों में तेजी लाने और विभिन्न प्रक्रियाओं में लगने वाले समय को कम करने विभागीय दिशा-निर्देशों, भुगतान प्रक्रिया, समय-सीमा निर्धारण और ठेकेदारों से जुड़े नीतिगत विषयों पर सुझाव भी मांगे।विभागीय सचिव ने कहा कि लोक निर्माण विभाग के कार्यों में ठेकेदारों की अहम भूमिका है। उन्होंने ठेकेदारों को 1 अक्टूबर से शुरू हो रहे नए टेंडर सिस्टम में नामांकन कराने और इसके लिए विभाग द्वारा दिए जा रहे।

फूल लेकर आए नन्हे कदम, उप मुख्यमंत्री ने बच्चों को गोद में उठाया, बच्चों की मासूमियत ने जीता दिल

संवाददाता ➤ रायपुर

आंगनबाड़ी केंद्र में जब दो-तीन साल के नन्हे बच्चे फूल लेकर उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के स्वागत के लिए आगे बढ़े, तो माहौल में सहज अपनापन दिखाई दिया। किसी बच्चे के हाथ में फूल था तो किसी के हाथ में अपनी बनाई हुई चित्रकारी। बच्चों ने मासूमियत से उप मुख्यमंत्री को फूल भेंट किए। श्री शर्मा भी बच्चों के बीच पहुंचे और उनके साथ ऐसे घुल-मिल गए, जैसे परिवार के किसी बड़े के साथ बच्चे सहज होकर बातें करते हैं। उन्होंने बच्चों को गोद में उठाया, उनसे बातचीत की, तस्वीरें खिंचवाईं और उन्हें खिलौने व चॉकलेट भेंट किए।

सेवा संकल्प अभियान के तहत कबीरधाम जिले के जिला मुख्यालय कवर्धा के आंगनबाड़ी केंद्र दर्रीपारा में आयोजित 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम का शुभारंभ उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने किया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों और महिलाओं के बीच पहुंचे उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां आकर बिल्कुल घर जैसा माहौल महसूस हो रहा है। बच्चों की मासूमियत और उनका उत्साह देखकर मन प्रसन्न हो गया।

नन्हे हाथों की चित्रकारी में दिखी बड़ी सोच

बच्चों द्वारा बनाई गई चित्रकारी ने उप मुख्यमंत्री का विशेष ध्यान खींचा। नन्हे हाथों से बनाए गए चित्रों को देखकर उन्होंने बच्चों की रचनात्मकता की सराहना की। उन्होंने कहा कि आज के बच्चे छोटी उम्र में ही कितनी अच्छी तरह सोचकर चित्र बना रहे हैं। एक बच्चे द्वारा सैनिक, भगवान शंकर और तिरंगे से जुड़ा चित्र बनाए जाने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि बच्चे ने जिस तरह अपने विचार को चित्र के माध्यम से व्यक्त किया, वह बहुत बड़ी बात है। बच्चों की चित्रकारी को देखते हुए उप मुख्यमंत्री ने अपने बचपन को भी याद किया। उन्होंने कहा कि बच्चों को इस उम्र में इस तरह अपनी सोच को चित्रों के माध्यम से व्यक्त करते देखकर बहुत अच्छा लगा। उन्होंने बच्चों, माताओं-बहनों, अभिभावकों और महिला एवं बाल विकास विभाग को शुभकामनाएं दीं।

स्वच्छता को आदत बनाएं, तभी शहर होंगे स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ :अरुण साव

सेवा संकल्प अभियान में उप मुख्यमंत्री ने दिलाई स्वच्छता की शपथ, सफाई मित्रों का किया सम्मान

महाराजबंध तालाब में उतरे जनप्रतिनिधि और नागरिक, श्रमदान कर दिया शहर को हमेशा साफ रखने का संदेश

संवाददाता ➤ रायपुर

शहर को हमेशा साफ-सुथरा रखने और सुंदर बनाने का संदेश देने स्वच्छता ही सेवा और सेवा संकल्प अभियान के तहत जनप्रतिनिधियों से लेकर प्रशासनिक अधिकारी, नगर निगम की टीम, ग्रीन आर्मी, स्वयंसेवी व सामाजिक संगठन और नागरिक एक साथ श्रमदान के लिए उतरे। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने खुद अभियान में सहभागिता करते हुए लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि स्वच्छता को केवल अभियान तक सीमित नहीं रखा जा सकता। इसे दैनिक जीवन की आदत बनाना होगा, तभी हमारे शहर स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनेंगे।

रायपुर के मठपारा स्थित महाराजबंध तालाब में आयोजित अभियान में उप मुख्यमंत्री श्री साव के साथ राज्यसभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, विधायक श्री सुनील सोनी, श्री मोतीलाल साहू, श्री पुरंदर मिश्रा, महापौर श्रीमती मीनल चौबे, महंत रामसुंदर दास, कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री संबित मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ श्री कुमार बिश्वरंजन और सूडा के सीईओ श्री सुमित अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए।

श्रमदान के दौरान सभी ने मिलकर महाराजबंध तालाब परिसर से कचरा और गंदगी साफ की। लोगों को तालाबों और जलस्रोतों को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित करते हुए तालाब में कचरा नहीं डालने और सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई बनाए रखने का संदेश दिया गया। अभियान ने शहर की स्वच्छता को केवल नगर निगम या सफाई कर्मियों की जिम्मेदारी मानने के बजाय जनभागीदारी से आगे बढ़ाने का संदेश दिया।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने जनसमुदाय को स्वच्छता की शपथ दिलाते हुए इसे जीवन-शैली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता की कोशिश तभी स्थायी और प्रभावी होगी, जब हर नागरिक अपने आसपास सफाई रखने को अपनी आदत और जिम्मेदारी बनाए। शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए सरकार की लगातार कोशिशों के साथ नागरिकों की सक्रिय भागीदारी भी जरूरी है।

कार्यक्रम में पांच सफाई मित्रों श्री रमेश सोना, श्री अवधेश सोनी, श्री घना कुर्रे, श्री अमित धीवर और श्री राहुल राजपूत को सम्मानित किया गया। अतिथियों ने सफाई मित्रों के कार्यों की सराहना करते हुए शहर को स्वच्छ रखने में उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

विधायक श्री सुनील सोनी ने सेवा, सहभागिता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना के साथ स्वच्छता अभियानों में अधिक से अधिक लोगों से जुड़ने का आह्वान किया। अतिथियों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दिया। स्वच्छता के साथ पर्यावरण संरक्षण को जोड़ते हुए लोगों ने शहर को स्वच्छ, सुंदर और हरित बनाने का संकल्प लिया। ÷सेवा मेरा योगदान÷ की भावना के साथ महाराजबंध तालाब में हुए श्रमदान में जनप्रतिनिधियों, प्रशासन, नगर निगम, ग्रीन आर्मी, स्वयंसेवी संगठनों और आम नागरिकों की भागीदारी ने स्वच्छता के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी और जनसहभागिता का संदेश दिया।

परसगढ़ी में सामूहिक श्रमदान से अमृत सरोवर व आंगनबाड़ी केंद्र परिसर की सफाई

महेंद्र शुक्ला ➤ एमसीबी

विकासखंड मनेन्द्रगढ़ के ग्राम पंचायत परसगढ़ी में स्वच्छता को लेकर सामूहिक श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान अमृत सरोवर तालाब एवं आंगनबाड़ी केंद्र के हैंडपंप के आसपास साफ-सफाई की गई।कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने स्वच्छता शपथ ली और जागरूकता रैली निकालकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। सामूहिक श्रमदान में ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधियों, कर्मचारियों एवं ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत के सरपंच बुद्धू सिंह, सचिव भूपेंद्र सिंह, पंचायत के रोजगार सहायक गोरेलाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। वहीं एसबीएम से श्रीमती प्रभा प्यासी की भी उपस्थिति रही।

अब तक 36 नियोजकों एवं प्लेसमेंट संस्थाओं से 8,720 पदों की जानकारी प्राप्त

राज्यस्तरीय रोजगार मेला 07 एवं 08 अक्टूबर को रायपुर

संवाददाता ➤ रायपुर

प्रदेश के शिक्षित एवं प्रशिक्षित युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अधिकाधिक अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग द्वारा आगामी 07 एवं 08 अक्टूबर 2026 को सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम, बूढ़ापारा, रायपुर में दो दिवसीय वृहद राज्यस्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है।आयोजन के दूसरे दिन 08 अक्टूबर को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य एवं कौशल विकास व रोजगार मंत्री माननीय गुरु खुशवंत साहेब की अध्यक्षता में चयनित युवाओं को ऑफर लेटर वितरित किए जाने प्रस्तावित हैं।

अब तक 8,720 रिक्तियां प्राप्त

राज्यस्तरीय रोजगार मेले के लिए विभिन्न औद्योगिक प्रतिष्ठानों, कंपनियों एवं प्लेसमेंट संस्थाओं से रिक्तियों के संकलन का कार्य लगातार जारी है। अब तक 36 नियोजकों एवं प्लेसमेंट संस्थाओं से कुल 8,720 रिक्त पदों की जानकारी प्राप्त हो चुकी है। उपलब्ध रिक्तियों को ई-रोजगार पोर्टल पर प्रदर्शित किया जा रहा है, ताकि अभ्यर्थी अपनी योग्यता एवं रुचि के अनुसार पदों का चयन कर ऑनलाइन आवेदन कर सकें।अन्य प्रमुख औद्योगिक एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से भी संपर्क किया जा रहा है, जिससे मेले में उपलब्ध रोजगार अवसरों की संख्या में और वृद्धि होने की संभावना है।

विविध क्षेत्रों में रोजगार के अवसर

मेले में मैन्युफैक्चरिंग, टेक्निकल, इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल, ऑटोमोबाइल, सेल्स एवं मार्केटिंग, बैंकिंग एवं फाइनेंस, ऑफिस वर्क एवं मानव संसाधन, कस्टमर सर्विस, हेल्थ एंड केयर, सिक्योरिटी, लॉजिस्टिक्स एवं डिलीवरी सहित विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।प्राप्त रिक्तियों में मशीन ऑपरेटर, असेंबली ऑपरेटर, फिटर, वेल्डर, इलेक्ट्रिशियन, इलेक्ट्रिक मीटर टेक्नीशियन, मेंटेनेंस इलेक्ट्रिशियन, मैकेनिकल इंजीनियर, क्वालिटी इंस्पेक्टर (क्र/त्तष्ट), सेल्स एग्जीक्यूटिव/ऑफिसर, कंप्यूटर ऑपरेटर, कस्टमर केयर एग्जीक्यूटिव, टेलीकॉलर, रिलेशनशिप मैनेजर, नर्सिंग स्टाफ, केयर टेकर, सुरक्षा गार्ड, सुरक्षा सुपरवाइजर, ड्राइवर, डिलीवरी बॉय, बाइक राइडर, पिकर-पैकर तथा विभिन्न ट्रेडों में अप्रेंटिस एवं ट्रेनी सहित अनेक पद शामिल हैं।

इन पदों के लिए 10वीं, 12वीं, आईटीआई, डिप्लोमा, जीनियरिंग (बी.ई./बी.टेक.), कृषि स्नातक (क्चस्र. द्दह्द), सामान्य स्नातक तथा स्नातकोत्तर योग्यताधारी युवा अपनी पात्रता के अनुसार आवेदन कर सकते हैं।

प्रमुख कंपनियां एवं संस्थाएं होंगी शामिल

रोजगार मेले के लिए अब तक क्वेस कॉर्प, रैंडस्टैड इंडिया, राजस्थान टेक्सटाइल मिल्स-सतलज टेक्सटाइल्स, वर्धमान टेक्सटाइल्स, जेनस पावर इंफ्रास्ट्रक्चर, एयरटेल पेमेंट बैंक, इंस्टाकार्ट, स्पंदना स्फूर्ति फाइनेंशियल, स्वतंत्र माइक्रोफिन, एनआईआईटी, आइसेक्ट, शांता टेक्नो, राजत इक्विपमेंट्स, फर्स्ट फ्लाई कॉर्पोरेट सहित विभिन्न संस्थाओं द्वारा रिक्तियां उपलब्ध कराई गई हैं।इन संस्थाओं द्वारा छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के साथ-साथ देश के अन्य राज्यों में भी कार्य के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए हैं।ई-रोजगार पोर्टल से होगी ऑनलाइन आवेदन एवं चयन प्रक्रिया

मेले की चयन प्रक्रिया को पारदर्शी, सुगम एवं व्यवस्थित बनाने के लिए ई-रोजगार पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इच्छुक युवा घर बैठे उपलब्ध रिक्तियों का अवलोकन कर अपनी योग्यता एवं रुचि के अनुसार उपयुक्त पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं।नियोजक भी पोर्टल पर उपलब्ध अभ्यर्थियों की प्रोफाइल एवं आवेदन के आधार पर चयन प्रक्रिया संचालित कर सकेंगे। इससे मेले के पूर्व भी आवश्यकतानुसार अभ्यर्थियों की शॉर्टलिस्टिंग एवं प्रारंभिक चयन प्रक्रिया की जा सकेगी।

युवाओं को रोजगार से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता - गुरु खुशवंत साहेब

कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री माननीय गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं के सर्वांगीण विकास तथा उन्हें स्वावलंबी बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। राज्यस्तरीय रोजगार मेले के माध्यम से स्थानीय उद्योगों के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित नियोजकों को एक मंच पर लाया जा रहा है, ताकि प्रदेश के अधिक से अधिक युवाओं को उनकी योग्यता और कौशल के अनुरूप रोजगार के अवसर मिल सकें।

न्यूज इन शॉर्ट

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण आवास 2.0 के तहत 1839 अपात्र परिवारों की प्रारंभिक सूची जारी

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। 2026/प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण अंतर्गत आवास 2.0 के माध्यम से जिले में छूटे हुए पात्र परिवारों को आवास योजना का लाभ दिलाने के लिए सर्वे कार्य पूर्ण कर लिया गया है। सर्वे उपरांत प्राप्त आवेदनों एवं दस्तावेजों के सत्यापन के पश्चात भारत सरकार द्वारा जारी सूची के आधार पर जिले की तीनों जनपद पंचायतों से कुल 1839 परिवार अपात्र पाए गए है। इनमें जनपद पंचायत गौरेला के 581, पेण्ड्रा के 406 तथा मरवाही के 852 परिवार शामिल हैं। जनपद पंचायतों के माध्यम से आवास पोर्टल पर सूची अपडेट किया गया है। इसके बाद तैयार अपात्र परिवारों की सूची को जिला स्तर पर गठित अपीलीय समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। समिति के निर्णय एवं योजना के मार्गदर्शिता अनुरूप नियमानुसार अपात्र परिवारों का नाम आवास पोर्टल से विलोपन एवं प्राथमिकता क्रम में परिवर्तन करने से पूर्व दावा-आपत्ति आमंत्रित की गई है।

जनपद पंचायतों से प्राप्त सूची को 15 दिवस के लिए जिले के अधिकारिक वेबसाइट 2 पर अपलोड किया जा रहा है। सूची का अवलोकन जिले की वेबसाइट, जिला पंचायत कार्यालय तथा संबंधित जनपद पंचायत कार्यालय के सूचना पटल पर किया जा सकता है। प्रकाशित सूची में यदि किसी हितग्राही-परिवार को दावा-आपत्ति प्रस्तुत करनी हो, तो वे 12 अक्टूबर 2026 तक, कार्यालयीन समय में शाम 5.30 बजे तक निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। दावा-आपत्ति मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत गौरेला-पेंड्रा-मरवाही अथवा संबंधित जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के समक्ष निर्धारित प्रारूप में प्रस्तुत की जा सकती है। निर्धारित तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा।

भ्रामक जानकारी देकर शौचालय निर्माण की स्वीकृति दिलाने पर संकुल समन्वयक के विरुद्ध कार्रवाई

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। पेण्ड्रा विकासखण्ड के अंतर्गत संकुल शैक्षिक समन्वयक आशीष पाण्डेय के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा जारी आदेश के अनुसार श्री पाण्डेय की आगामी दो वेतनवृद्धि संचयी प्रभाव से रोक दी गई है। जारी आदेश के मुताबिक कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. के द्वारा संकुल केंद्र दमदम अंतर्गत संचालित शालाओं के आकस्मिक निरीक्षण के दौरान प्राथमिक शाला धनसलेहा, विकासखंड पेण्ड्रा में शौचालय निर्मित एवं उपयोगी पाया गया। जबकि संकुल शैक्षिक समन्वयक श्री पाण्डेय द्वारा उच्च कार्यालय को इस संस्था में शौचालय की आवश्यकता होने संबंधी जानकारी दी गई थी। इसी जानकारी के आधार पर प्राथमिक शाला धनसलेहा के नाम पर जिला पंचायत कार्यालय द्वारा नवीन शौचालय निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई थी। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रकरण में त्रुटिपूर्ण एवं भ्रामक जानकारी प्रस्तुत करने पर इसे कर्तव्य के प्रति लापरवाही मानते हुए छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 तथा छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के तहत श्री आशीष पाण्डेय की आगामी दो वेतनवृद्धि संचयी प्रभाव से रोकने की कार्रवाई की गई है।

गांवों में विकास की नई रफ्तार: 40.47 करोड़ से जल संरक्षण, स्वच्छता और आजीविका के 1,110 कार्य स्वीकृत

संवाददाता ➤ एमसीबी

जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार, जल संरक्षण, स्वच्छता और आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ी पहल की गई है। जिला पंचायत मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर अंतर्गत वीबी जी राम जी योजना के तहत जिले के तीनों विकासखंडों में कुल 1,110 ग्रामीण विकास कार्यों के लिए 40 करोड़ 47 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। स्वीकृत कार्यों के पूरा होने से गांवों में आवश्यक अधोसंरचना मजबूत होने के साथ जल संरक्षण और ग्रामीण आजीविका को भी बढ़ावा मिलेगा।

जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती यशवंती सिंह ने बताया कि स्वीकृत कार्यों में ग्रामीण क्षेत्रों की स्थानीय आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी गई है। इनमें सामुदायिक मुक्तिधाम एवं प्रतीक्षालय, सामुदायिक बालिका शौचालय,

कंटूर ट्रेंच, अर्दन चेक डैम, तालाब गहरीकरण, नवीन तालाब निर्माण, नाला पुनर्स्थापन, डबरी निर्माण, नाडेप कम्पोस्ट संरचना, पशुपालन एवं पौधरोपण से जुड़े कार्य शामिल हैं।

मनेंद्रगढ़ में सर्वाधिक 462, भरतपुर में 424 कार्य

तीनों विकासखंडों में स्वीकृत कार्यों में मनेंद्रगढ़ विकासखंड में 462 कार्यों के लिए 15.22 करोड़ रुपये, भरतपुर में 424 कार्यों के लिए 17.51 करोड़ रुपये तथा खड़गवां में 224 कार्यों के लिए 7.89 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इस प्रकार जिले में कुल 1,110 कार्यों के लिए 40.47 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत हुई है।

स्वच्छता और ग्रामीण अधोसंरचना को प्राथमिकता

स्वीकृत कार्यों में 160 सामुदायिक मुक्तिधाम शेड एवं प्रतीक्षालय निर्माण के लिए 9.28 करोड़ रुपये तथा 128 सामुदायिक बालिका शौचालय निर्माण के लिए 5.44 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इन कार्यों से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता एवं आवश्यक सामुदायिक सुविधाओं का विस्तार होगा।

इसी तरह 362 कंटूर ट्रेंच एवं अर्दन चेक डैम निर्माण के लिए 9 करोड़ 5 लाख 20 हजार रुपये तथा 125 सामुदायिक रेत फिल्टर एवं बोरवेल रिचार्ज कार्यों के लिए 1 करोड़ 11 लाख 74 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इन कार्यों से वर्षाजल संरक्षण, भूजल पुनर्भरण और जल उपलब्धता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

तालाब और जल संरक्षण पर बड़ा फोकस

ग्रामीण क्षेत्रों में जलस्रोतों को मजबूत करने के लिए 57 तालाब गहरीकरण कार्यों हेतु 3 करोड़ 87 लाख 56 हजार रुपये और 8 नवीन तालाब निर्माण के लिए 1 करोड़ 31 लाख 56 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इसके अलावा 82 ब्रशवुड चेक, बोल्डर चेक एवं अन्य निर्माण कार्यों के लिए 3 करोड़ 15 लाख 67 हजार रुपये तथा 28 नाला पुनर्स्थापन एवं गाद निकासी कार्यों के लिए 1 करोड़ 77 लाख 17 हजार रुपये स्वीकृत हुए हैं।

डबरी, कम्पोस्ट और पशुपालन से बढ़ेगी आजीविका

ग्रामीण परिवारों की आजीविका को मजबूत करने के उद्देश्य से 127 डबरी निर्माण कार्यों के लिए 3 करोड़ 91 लाख 75 हजार रुपये तथा 16 सामुदायिक नाडेप कम्पोस्ट संरचना कार्यों के लिए 12 लाख 90 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं। वहीं 6 व्यक्तिगत पशुपालन, सूकर पालन एवं अन्य शेड निर्माण कार्यों के लिए 10 लाख रुपये तथा 11 पौधरोपण एवं पौधा उत्पादन कार्यों के लिए 1 करोड़ 31 लाख 86 हजार रुपये की स्वीकृति दी गई है।जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती यशवंती सिंह ने कहायोजनाओं का लाभ पहुंचाना प्राथमिकता है।

सेवा संकल्प अभियान

तोखन राम के जीवन में आई नई रोशनी, पक्के आवास से मिला सुरक्षित भविष्य

संवाददाता ➤ एमसीबी

प्रधानमंत्री आवास योजना जरूरतमंद परिवारों के लिए सुरक्षित आवास और सम्मानजनक जीवन का मजबूत आधार बन रही है। ग्राम चनवारीडांड निवासी तोखन राम के लिए भी यह योजना उनके जीवन में बदलाव लेकर आई है। आर्थिक परिस्थितियां अनुकूल नहीं होने के कारण पक्के मकान का निर्माण करना उनके लिए आसान नहीं था। परिवार को लंबे समय से ऐसे आवास की आवश्यकता थी, जहां वे मौसम की परेशानियों से सुरक्षित रहकर सुकून के साथ अपना जीवन आगे बढ़ा सकें।

आर्थिक चुनौतियों के बीच मिली उम्मीद की किरण

तोखन राम के परिवार के लिए पक्का मकान बनाना आर्थिक रूप से कठिन था। ऐसे में प्रधानमंत्री आवास योजना उनके लिए उम्मीद की किरण बनी। योजना के माध्यम से उन्हें आवास निर्माण के लिए 1.20 लाख रुपये की स्वीकृति राशि मिली, जिससे पक्का घर बनाने का सपना पूरा करने का मार्ग प्रशस्त हुआ।

शासकीय सहायता से साकार हुआ पक्के घर का सपना

प्रधानमंत्री आवास योजना से मिली आर्थिक सहायता ने तोखन राम के परिवार को अपने आवास को बेहतर और सुरक्षित बनाने का अवसर दिया। पक्के आवास ने परिवार को मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों से सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही रहने के लिए स्थायी और सुविधाजनक स्थान दिया है। घर के साथ परिवार के जीवन में आत्मविश्वास और स्थायित्व भी बढ़ा है।

घर के साथ मिला सम्मान और बेहतर भविष्य का भरोसा

तोखन राम के लिए यह आवास सिर्फ रहने की जगह नहीं, बल्कि परिवार के सुरक्षित और सम्मानजनक भविष्य की नई शुरुआत है। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना से मिले लाभ के लिए शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पक्का घर उनके परिवार कआगे बढ़ रहा है।

सरस्वती शिशु मंदिर में सामूहिक राष्ट्रगीत गायन, विविधता में एकता का दिया संदेश

संवाददाता ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

विद्या भारती अखिल भारती शिक्षा संस्थान नई दिल्ली द्वारा आयोजित कार्यक्रम के अंतर्गत आज सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पेण्ड्रा में सामूहिक रूप से राष्ट्रगीत वंदे मातरम् का गायन किया गया। देशभर में संचालित लगभग 25 हजार सरस्वती शिशु मंदिरों में एक साथ आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्री प्रणव कुमार मरपची ने कहा कि वंदे मातरम् भारत माता के प्रति सम्मान और राष्ट्रप्रेम की भावना व्यक्त करने वाला गीत है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी में राष्ट्र के प्रति गौरव एवं सम्मान की भावना को सुदृढ़ करते हैं।

कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने कहा कि वंदे मातरम् का सामूहिक गायन भारत की विविधता में एकता और राष्ट्र के प्रति सम्मान की भावना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रगीत के अर्थ एवं संदेश को जन-जन तक पहुंचाएं तथा इसकी रचना के पीछे निहित देशप्रेम और राष्ट्रीय भावना को अपने जीवन में आत्मसात करें। साथ ही, इस भावना को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का आह्वान किया। नगर पालिका परिषद पेंड्रा के अध्यक्ष एवं सरस्वती शिशु मंदिर के पूर्व छात्र श्री राकेश जालान ने कहा कि राष्ट्र एवं देशहित की भावना राजनीति से ऊपर है। प्रत्येक नागरिक को राष्ट्रगीत का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने विद्यालय के विकास में हरसंभव सहयोग देने की बात कही। पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार खिलारी ने विद्यार्थियों को राष्ट्रप्रेम, अनुशासन एवं नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजा उपेंद्र बहादुर सिंह, श्री राकेश चतुर्वेदी, श्री विनय सूर्यवाणी, श्री मदन सोनी, श्री विवेक जायसवाल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री मुकेश रावटे, जिला शिक्षा अधिकारी श्री रजनीश तिवारी, नगर पालिका पेंड्रा के मुख्य नगर पालिका अधिकारी सहित सरस्वती शिशु मंदिर के प्रबंध अध्यक्ष श्री नीरज जैन, व्यवस्थापक श्री विकास जायसवाल, विद्यालय परिवार के पदाधिकारी, आचार्यगण, शिक्षक-शिक्षिकाएं, भारत माता पब्लिक स्कूल की छात्राएं, वरिष्ठ नागरिक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियानः

पक्के घर का सपना हुआ साकार, प्रधानमंत्री आवास ने विजय के जीवन में लाई नई खुशियां

संवाददाता ➤ एमसीबी

प्रधानमंत्री आवास योजना जरूरतमंद परिवारों के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन का आधार बन रही है। इसी कड़ी में ग्राम चनवारीडांड निवासी विजय के जीवन में भी पक्के आवास ने नई खुशियां लाया है।

आर्थिक मजबूरी के बीच पक्के घर की उम्मीद

सीमित आर्थिक संसाधनों के कारण विजय के लिए स्वयं के खर्च से पक्का मकान बनाना आसान नहीं था। परिवार को लंबे समय से सुरक्षित और बेहतर आवास की आवश्यकता महसूस हो रही थी। ऐसे समय में प्रधानमंत्री आवास योजना उनके लिए उम्मीद की किरण बनकर सामने आई।

योजना की मदद से साकार हुआ घर का सपना

वर्ष 2024-25 में विजय का आवास योजना के तहत स्वीकृत हुआ और उन्हें आवास निर्माण के लिए 1.20 लाख रुपये की स्वीकृति राशि मिली। शासन की इस सहायता से विजय के पक्के घर का

सपना साकार होने की राह आसान हुई। आवास मिलने के बाद परिवार को सुरक्षित और बेहतर रहने का स्थान मिला है। पक्की छत ने परिवार को मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों से राहत देने के साथ ही जीवन में सुरक्षा और स्थायित्व की भावना को मजबूत किया है।विजय के लिए यह घर केवल एक मकान नहीं, बल्कि अपने परिवार के बेहतर भविष्य और सम्मानजनक जीवन की नई शुरुआत है। विजय ने प्रधानमंत्री आवास योजना से मिले लाभ के लिए शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पक्का घर उनके परिवार का लंबे समय से सपना था, जो अब पूरा हुआ है। उन्होंने बताया कि आवास मिलने से परिवार में खुशी का माहौल है और अब वे अपने परिवार के साथ अधिक सुरक्षित और निश्चित जीवन जी पा रहे हैं।

सेवा संकल्प अभियान के तहत स्वच्छता आधारित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही,

सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले में सेवा, स्वच्छता एवं जनजागरूकता से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का निरंतर आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज गौरेला विकासखंड के ग्राम पंचायत धनौली में स्कूली बच्चों द्वारा स्वच्छता पर आधारित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर ग्रामीणों को स्वच्छता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपने आसपास के परिवेश को स्वच्छ रखने, कचरे का उचित निपटान करने, सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी नहीं फैलाने तथा व्यक्तिगत एवं सामुदायिक स्वच्छता अपनाने के प्रति लोगों को जागरूक किया। बच्चों ने स्वच्छता को स्वस्थ जीवन का आधार बताते हुए ग्रामीणों से अपने घर, विद्यालय, गली-मोहल्ले एवं सार्वजनिक स्थलों को साफ-सुथरा रखने की अपील की। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि स्वच्छ और स्वस्थ समाज के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है। स्वच्छता केवल शासकीय अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति की सामूहिक जिम्मेदारी है। बच्चों की सक्रिय भागीदारी से स्वच्छता का संदेश प्रभावी ढंग से ग्रामीणों तक पहुंचा और लोगों को अपने दैनिक जीवन में स्वच्छता संबंधी अच्छी आदतों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अनिल विश्वकर्मा के मार्गदर्शन में की गई

एमसीबी पुलिस की कार्रवाईः मध्यप्रदेश से शराब लाकर मनेन्द्रगढ़ में खपाने की तैयारी, दो

महेंद्र शुक्ला ➤ एमसीबी

सिटी कोतवाली मनेन्द्रगढ़ एवं साइबर सेल की संयुक्त पुलिस टीम ने अवैध रूप से अंग्रेजी शराब परिवहन करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 48 नग मैकडावल नंबर-1 शराब की बोतलें, कुल 8.640 लीटर शराब, जिसकी कीमत ?9,600 बताई गई है, तथा शराब परिवहन में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है।

पुलिस के अनुसार 24 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि मध्यप्रदेश के रामनगर-डोला स्थित अंग्रेजी शराब दुकान से शराब खरीदकर दो युवक मोटरसाइकिल से मनेन्द्रगढ़ की ओर आ रहे हैं।

सूचना पर पुलिस टीम ने मनेन्द्रगढ़ हाईवे रोड स्थित फॉरेस्ट डिपो के सामने नाकेबंदी की।

इस दौरान काले-सिल्वर रंग की हीरो ॥स्प्ल डीलक्स मोटरसाइकिल क्रमांक छत्त 16 छड्ड 2898 को रोककर तलाशी ली गई। मोटरसाइकिल के बीच सीट पर रखे काले रंग के बैग से 48 नग मैकडावल नंबर-1 की 180 एमएल प्लास्टिक शीशियां बरामद हुईं।

पुलिस ने मामले में भीमसेन पिता राजकुमार सेन उम्र 21 वर्ष एवं विनय सोनवानी पिता विनोद कुमार सोनवानी उम्र 18 वर्ष, दोनों निवासी ग्राम कटकोना बैहाटोला, थाना बिजुरी, जिला अनूपपुर (मध्यप्रदेश) को गिरफ्तार किया। आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत कार्रवाई करते हुए न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।कार्रवाई में थाना सिटी कोतवाली मनेन्द्रगढ़ एवं साइबर सेल की संयुक्त टीम शामिल रही। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक श्रीमती रत्ना सिंह के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अनिल विश्वकर्मा के मार्गदर्शन में की गई।

ममता यादव के परिवार को मिला अपने घर का सहारा, प्रधानमंत्री आवास ने बदली जीवन की तस्वीर

संवाददाता ➤ एमसीबी

/25 सितंबर 2026/ किसी परिवार के लिए अपना पक्का घर केवल चार दीवारों का निर्माण नहीं, बल्कि सुरक्षित भविष्य, सम्मान और सुकून से जुड़ा सपना होता है। ग्राम चनवारीडांड निवासी ममता यादव, पति किशोर के लिए भी अपने परिवार के सुरक्षित आवास की चाह लंबे समय से थी। सीमित आर्थिक संसाधनों के कारण पक्का घर बनाना आसान नहीं था, लेकिन प्रधानमंत्री आवास योजना ने उनके इस सपने को पूरा करने का रास्ता आसान किया।प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत ममता यादव को आवास निर्माण के लिए 1.20 लाख रुपये की स्वीकृत राशि मिली। शासन की सहायता मिलने से परिवार को अपने पक्के आशियाने के निर्माण के लिए आवश्यक आर्थिक संबल प्राप्त हुआ। योजना से मिली मदद ने ममता और उनके परिवार के लिए सुरक्षित आवास की उम्मीद को हकीकत में बदलने का अवसर दिया।

अनऑफिशियल टेस्ट, इंडिया-ए ने ऑस्ट्रेलिया-ए को 162 रन से हराया

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

इंडिया-ए ने ऑस्ट्रेलिया-ए को पहले अनऑफिशियल टेस्ट में 162 रन से हरा दिया। पुडुचेरी में खेले गए मुकाबले में 363 रन के टारगेट का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया-ए की टीम 200 रन पर ऑलआउट हो गई। इस जीत के साथ भारत ने दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है।भारत ने पहली पारी में 334 रन बनाए थे। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया-ए 171 रन पर सिमट गई। इससे इंडिया-ए को पहली पारी में 163 रन की बढ़त मिली। दूसरी पारी में भारत ने 199 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया-ए के सामने 363 रन का टारगेट रखा।भारत के लिए कुमार कुशाग्र ने पहली पारी में 113 रन बनाए, जबकि दूसरी पारी में 46 रन पर नाबाद रहे। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। शम्स मुलानी ने दोनों पारियों में कुल 7 विकेट लिए।ऑस्ट्रेलिया-ए के लिए दूसरी पारी में फर्गस ओनील ने 52 गेंदों पर 47 और नाथन मैकस्वीनी ने 75 गेंदों पर 35 रन बनाए। जेसन सांघा ने 23 गेंदों पर 26 रन की तेज पारी खेली, जबकि टॉड मर्फी ने 17 रन बनाए। भारत-ए की ओर से तुषार देशपांडे और शम्स मुलानी ने 3-3 विकेट लिए। अंशुल कंबोज और तनुश कोटियन को 2-2 विकेट मिले।चौथे दिन ऑस्ट्रेलिया-ए ने 55/2 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। टीम ने 31.5 ओवर में 100 रन पूरे किए। इसके बाद भारत-ए ने लगातार विकेट लेकर दबाव बनाया।36 ओवर के बाद ऑस्ट्रेलिया-ए का स्कोर 4 विकेट पर 114 रन था। 8वें विकेट के लिए फर्गस ओनील और टॉड मर्फी ने 59 गेंदों पर 50 रन जोड़े। लंच तक ऑस्ट्रेलिया-ए ने 7 विकेट पर 185 रन बनाए। इसके बाद टीम 54.5 ओवर में 200 रन पर ऑलआउट हो गई।

लंबी कूद भी इसी का एक हिस्सा है

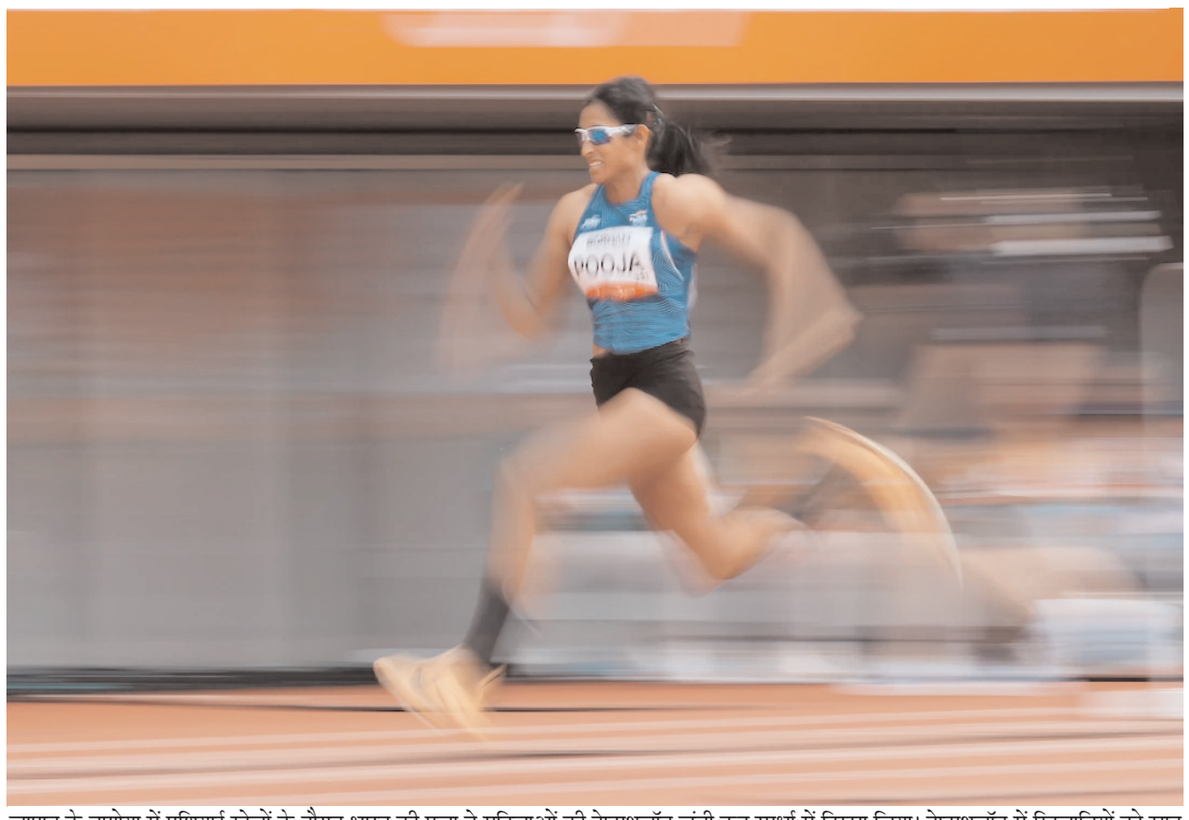

जापान के नागोया में एशियाई खेलों के दौरान भारत की पूजा ने महिलाओं की हेप्टाथलॉन लंबी कूद स्पर्धा में हिस्सा लिया। हेप्टाथलॉन में खिलाड़ियों को सात अलग-अलग स्पर्धाओं में प्रदर्शन करना होता है। लंबी कूद भी इसी का एक हिस्सा है।

वेस्टइंडीज ने क्रिकेटर्स की सैलरी 25त घटाई

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने अपने क्रिकेटर्स की सैलरी में 25त कटौती की है। इतना ही नहीं, इस साल पुरुषों के सुपर-50 और महिलाओं के टी-20 ब्लेज टूर्नामेंट भी सस्पेंड कर दिया गया है।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार विंडीज बोर्ड ने घरेलू खिलाड़ियों के कॉन्ट्रैक्ट की अवधि घटाकर 7 महीने कर दी गई है, जबकि इंटरनेशनल खिलाड़ियों का 12 महीने का रिटेनर कॉन्ट्रैक्ट जारी रहेगा। दरअसल, वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड आर्थिक संकट से जूझ रहा है।डेहरिंग ने कहा, 'यह आदर्श स्थिति नहीं है, लेकिन वित्तीय स्थिरता के लिए यह जरूरी कदम है।' उन्होंने वेस्टइंडीज प्लेयर्स एसोसिएशन और खिलाड़ियों के सहयोग की भी सराहना की।डेहरिंग के मुताबिक, पिछले 15 साल में क्रिकेट वेस्टइंडीज ने घरेलू एयरलाइंस पर 80 मिलियन अमेरिकी डॉलर यानी करीब ?670 करोड़ खर्च किए हैं। इसके बदले एयरलाइंस से बोर्ड को कोई स्पॉन्सरशिप नहीं मिली।उन्होंने कहा कि ट्रैवल और रहने के खर्च ने बोर्ड पर दबाव बढ़ाया है। लंबे समय से इस खर्च के चलते हुए वित्तीय नुकसान और मौजूदा कैश फ्लो की समस्या को देखते हुए खर्च घटाने के फैसले किए गए हैं।वित्तीय संकट के बीच ढ्ढष्ट ने क्रिकेट वेस्टइंडीज के लिए 16 मिलियन अमेरिकी डॉलर यानी करीब ?153 करोड़ के लोन को मंजूरी दी है।ओर से तय किए गए 'क्रिटिकल मेट्रिक्स' को पूरा करना होगा। बोर्ड के मुताबिक, इन शर्तों को पूरा करने की प्रक्रिया इसी महीने से शुरू हो रही है।

शुभमन गिल प्रैक्टिस सेशन में चोटिल हुए

:सिराज की गेंद उनके दाहिनी कोहनी पर लगी, फिर फिजियो ने आइस पैक लगाया

एजेंसी ➤ तिरुवनतंपुर

भारतीय वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल को प्रैक्टिस सेशन के दौरान शुक्रवार को चोट लग गई। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की गेंद उनके दाहिनी कोहनी पर जा लगी। वे काफी दर्द में नजर आए।इसके बाद सिराज तुरंत गिल के पास पहुंचे और उनका हाल जाना। फिजियो ने पहले उनके कंधे की फ्लेक्सिबिलिटी जांची और फिर कोहनी पर आइस पैक लगाया।वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज 27 सितंबर से शुरु हो रही है। रविवार को तिरुवनंतपुरम में तीन की सीरीज का पहला मुकाबला खेला जाएगा।गिल ने करीब 20 मिनट तक आइस पैक लगाए रखा। इसके बाद फिजियो ने उनकी कोहनी पर प्लास्टर लगाया। वे प्रैक्टिस सेशन के दौरान लगातार आराम करते रहे।

स दौरान सिराज उनके पास बैठे रहे। बाद में रोहित शर्मा भी गिल का हाल जानने पहुंचे। इसके बाद विराट कोहली

और गुरनूर बरार भी उनके पास बैठे रहे।करीब एक घंटे बाद फिजियो ने गिल को दोबारा आइस पैक दिया। इसके बाद वे फिर अपनी सीट पर जाकर बैठ गए और बाकी टीम की प्रैक्टिस देखते रहे।आधे घंटे और बितने के बाद फिजियो ने एक बार फिर जांच की। इसके बाद भी गिलन बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे और अपना प्रोटेक्टिव गियर समेटते नजर आए।प्रैक्टिस के आखिरी पलों में गिल ने यशस्वी जायसवाल के साथ मुस्कुराते हुए बातचीत की। इस दौरान उन्होंने दाहिना हाथ सीधा रखते हुए बाएं हाथ की कोहनी से शॉट खेलने की नकल भी की। वे एक हाथ में बल्ला और दूसरे हाथ में पैड लेकर बाहर गए।वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 वनडे और 5 टी-20 की सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान हो गया है। वनडे में रोहित शर्मा और विराट कोहली बरकरार हैं। शुभमन गिल कप्तान और केएल राहुल उपकप्तान होंगे। रवींद्र जडेजा 8 महीने बाद लौटे हैं। उन्होंने अपना पिछला वनडे जनवरी 2026 में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था।

व्यापार

भारत ने वर्ष 2030 तक 50,000 करोड़ रुपए के रक्षा निर्यात का लक्ष्य रखा

वर्ष 2030 तक 50,000 करोड़ रुपए के रक्षा निर्यात का लक्ष्य रखा है।

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

भारत ने रक्षा निर्यात के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान बना दिया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में रक्षा निर्यात में नया ऐतिहासिक रिकॉर्ड बना है। इस दौरान देश का कुल रक्षा निर्यात बढ़कर 38,424 करोड़ रुपए तक पहुंचा, जो पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 62.66 प्रतिशत की मजबूत बढ़ोतरी दिखाता है। गौरतलब है कि भारत ने वर्ष 2030 तक 50,000 करोड़ रुपए के रक्षा निर्यात का लक्ष्य रखा है। इसके साथ ही 3 लाख करोड़ रुपए का रक्षा उत्पादन भी स्वदेश में होगा। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि रक्षा निर्यात में 14,802 करोड़ रुपए की बड़ी बढ़ोतरी हुई है। यह बढ़ोतरी इसका संकेत है कि दुनिया भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमताओं

और उन्नत मैन्युफैक्चरिंग पर भरोसा कर रही है। उन्होंने बताया कि इस उपलब्धि में रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और निजी उद्योग दोनों की अहम भूमिका रही है। कुल निर्यात में भारतीय सार्वजनिक उपक्रमों का योगदान 54.84 प्रतिशत रहा, जबकि निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी 45.16 प्रतिशत रही है। रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायक नेतृत्व में भारत रक्षा निर्यात के क्षेत्र में एक नई सफलता की कहानी लिखी है।

रक्षा मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2025-26 में एक और उपलब्धि हासिल की है। दरअसल मंत्रालय ने अपने पूंजीगत बजट का पूर्ण उपयोग किया है। यह बजट राशि 1.86 लाख करोड़ रुपए थी। इस बड़े पूंजीगत व्यय का 100 प्रतिशत उपयोग किया। यह लगातार दूसरा साल है जब रक्षा मंत्रालय ने अपना पूरा कैपिटल बजट इस्तेमाल किया है। इससे पहले भी वित्त वर्ष 2024-25 में कई वर्षों बाद पहली बार पूंजीगत बजट का पूरा उपयोग किया गया था।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, शुरुआत में पूंजीगत व्यय के लिए 1.80 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया था, लेकिन पहली दो तिमाहियों के खर्च और ऑपरेशन सिंदूर के बाद सेनाओं की बढ़ी हुई ज1.86 लाख

एमजी कामेट ईवी सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कारों में शामिल

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

अमेरिका -इजराइल-ईरान के मध्य जारी लडाई का असर अब भारत में भी होने लगा है। देश में कहीं गैस आपूर्ति प्रभावित हो रही है तो कहीं पेट्रोल-डीजल की किल्लत सामने आ रही है। ऐसे माहौल में कालाबाजारी भी चांदी काटने में लगे है। ऐसे हालात में इलेक्ट्रिक वाहन किफायती विकल्प के रूप में तेजी से उभर रहे हैं। खासतौर पर एमजी कामेट ईवी देश की सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कारों में शामिल है, जिसकी शुरुआती कीमत करीब 7.49 लाख रुपए है। इसकी रनिंग कॉस्ट इसे और आकर्षक बनाती है। एमजी कामेट ईवी को फुल चार्ज करने में लगभग 18 यूनिट बिजली लगती है।

यदि प्रति यूनिट कीमत 8 रुपए मानी जाए, तो कुल खर्च 144 रुपए आता है। कंपनी के अनुसार इसकी रेंज 230 किमी है, जबकि वास्तविक रेंज करीब 200 किमी मानी जाती है। इस

हिसाब से प्रति किलोमीटर लागत करीब 72 पैसे पड़ती है। वहीं पेट्रोल कार में औसतन 15 किमी प्रति लीटर माइलेज के आधार पर प्रति किलोमीटर खर्च करीब 6.60 रुपए आता है। यानी हर किलोमीटर पर लगभग 5.88 रुपए की बचत संभव है।

अगर कोई व्यक्ति महीने में 2000 किमी और साल में 24,000 किमी ड्राइव करता है, तो वह हर महीने करीब 11,760 रुपए और सालाना लगभग 1.41 लाख रुपए तक बचा सकता है। पांच साल में यह बचत 7 लाख रुपए के आसपास पहुंच सकती है, जिससे कार की लागत भी वसूल हो जाती है। फीचर्स की बात करें तो इसमें 10.25 इंच की ड्यूल स्क्रीन, स्मार्ट कनेक्टिविटी, नेविगेशन और रियल-टाइम अपडेट जैसी सुविधाएं मिलती हैं।

- शादी-विवाह के मौसम की बढ़ती मांग, डॉलर के मुकाबले रुपए की कमजोरी से कीमतें बढ़ीं

बीते सप्ताह खाद्य तेल-तिलहन के दाम में मजबूती, सरसों तेल सोयाबीन से सस्ता

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

देश के तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह अधिकांश तेल-तिलहन के दाम मजबूती के साथ बंद हुए। शादी-विवाह के मौसम की बढ़ती मांग, डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी और विदेशों में तेल की ऊंची कीमतों ने इस तेजी में योगदान किया। हरियाणा में पहली बार सरसों तेल का दाम सोयाबीन तेल से कम रहा (सरसों 148.25 प्र?ति ?किलो, सोयाबीन 165 रुपए प्र?ति ?किलो) बिना प्रसंस्करण वाला सरसों तेल सस्ता होने की वजह से इसकी मांग बढ़ी। आवक घटकर 6.75 लाख बोरी रह गई, जिससे दाम मजबूत बने। मूंगफली तेल की कीमत ऊंची होने के कारण स्थिर रही, जबकि बिनौला तेल लगभग 27 रुपए प्र?ति ?किलो सस्ता होने से उपभोक्ताओं का रुझान बढ़ा। कपास नरमा की आवक 42,000 गांठ रह जाने से भी बिनौला तेल के दाम में सुधार हुआ। सोयाबीन डीगम तेल के अंतरराष्ट्रीय दाम बढ़कर 1,360-65 डालर प्र?ति टन हुए। पाम और पामोलीन तेल के दाम भी मजबूत रहे। विशेषज्ञों का कहना है कि देशी तेल-तिलहन उत्पादन बढ़ाना जरूरी है ताकि आयात पर निर्भरता कम हो और घरेलू बाजार स्थिर रहे। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 75 रुपये के सुधार के साथ 7,025-7,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 225 रुपये के सुधार के साथ 14,825 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश= 30-30 रुपये के सुधार के साथ क्रमश= 2,460-2,560 रुपये और 2,460-2,605 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमश= 25-25 रुपये की तेजी के साथ क्रमश= 5,725-5,775 रुपये और 5,325-5,475 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।इसी प्रकार, दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 16,450 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 15,850 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 100 रुपये के सुधार के साथ 13,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।मूंगफली तिलहन का दाम 7,250-7,725 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 17,550 रुपये क्विंटल और मूंगफली सॉल्वेंट रिफाइंड तेल 2,770-3,070 रुपये प्रति टिन पर स्थिर रुख के साथ बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में कारोबारी धारणा में आम मजबूती के रुख के अनुरूप, सीपीओ तेल का दाम 25 रुपये के मामूली सुधार के साथ 13,625 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 25 रुपये सुधरकर 15,425 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 25 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 14,375 रुपये प्रति क्विंटल के साथ 14,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

ईरान युद्ध और घरेलू आंकड़ों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

- वैश्विक और क्षेत्रीय अनिश्चितताओं के चलते बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है

एजेंसी ➤ मुंबई

घरेलू शेयर बाजारों में पिछले कुछ सप्ताह से जारी गिरावट के बीच आने वाले सप्ताह में एक बार फिर निवेशकों की नजर ईरान युद्ध की स्थिति पर रहेगी। इसके अलावा इस सप्ताह में कुछ प्रमुख आंकड़े भी आने वाले हैं। सोमवार 30 मार्च को फरवरी के औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े जारी होने हैं। पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद की तस्वीर बताने वाला मार्च का पहला वृहत आंकड़ा विनिर्माण पीएमआई का होगा जो 2 अप्रैल को जारी होगा। वाहनों की बिक्री के कंपनियों के अलग-अलग आंकड़े भी 1 और 2 अप्रैल को जारी किये जायेंगे। इन सभी कारकों का असर शेयर बाजारों पर दिखेगा। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी रहा। पश्चिम एशिया में ईरान युद्ध के बढ़ते तनाव और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। इस सप्ताह में निवेशकों की निगाहें ईरान संकट पर रहेंगी। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक और क्षेत्रीय अनिश्चितताओं के चलते बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। बीएसई का सेंसेक्स सप्ताह के अंत में 73,583.22 अंक पर बंद हुआ, जो 949.74 अंक यानी 1.27 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 22,819.60 अंक पर बंद हुआ, जो 294.90 अंक या 1.27 प्रतिशत कम है। मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों पर भी दबाव देखा गया। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.13 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.63 प्रतिशत घटा। सेंसेक्स की 30 प्रमुख कंपनियों में से 20 के शेयरों में साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गई। सबसे अधिक गिरावट बीईएल के शेयर में रही, जो 5 प्रतिशत तक लुढ़क गया। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज 4.69 फीसदी, ट्रेंट 4.64 फीसदी, भारतीय स्टेट 3.10 फीसदी और टाइटन 3.09 प्रतिशत टूटे।

वोट को लेकर जन-आंदोलन

मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ राष्ट्रीय जन-आंदोलन का माहौल बन गया है। कांग्रेस ने राज्यों की राजधानियों में विरोध-प्रदर्शन का आह्वान किया है। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक भी 29 सितंबर को तय हुई है। शायद कोई बड़ा निर्णय सामने आएगा! 'राजनीतिक कॉकरोचों' ने भी सीईसी का इस्तीफा मांगते हुए आंदोलन की धमकी दी है। विपक्ष के कई प्रमुख नेताओं ने सीईसी के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने और जेल में डालने की पुरजोर मांग की है। हालांकि दिसंबर, 2023 में चुनाव आयोग संबंधी कानून में संशोधन कर सीईसी, पूर्व सीईसी और चुनाव आयुक्तों को किसी भी तरह के केस और जेल भेजने की सजा से 'कानूनी छूट' दी गई थी। उनके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई नहीं की जा सकती। यह संशोधन संसद में पारित किया गया था। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत सभी विपक्षी नेता इस संसदीय संशोधन को जानते होंगे! फिर भी नेता प्रतिपक्ष ने सीईसी को 'गद्दार' और 'देशद्रोही' करार दिया है। उनके इस्तीफे और 'सरकारी गवाह' बनने की मांग की है। नेता प्रतिपक्ष को यकीन है कि ऐसे 'अपराधी' को सजा जरूर मिलनी चाहिए। विपक्ष का कथित 'इंडिया ब्लॉक' संसद के दोनों सदनों में, सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ, 'महाभियोग' प्रस्ताव लाने पर भी विचार कर रहा है। इसी साल मार्च-अप्रैल में भी 'महाभियोग' का प्रस्ताव दिया गया था, जिसे लोकसभा स्पीकर और राज्यसभा सभापति ने खारिज कर दिया था। लेकिन आसार पुख्ता होते जा रहे हैं कि शहर, कस्बा, गांव और गली-गली के स्तर पर देश का आम नागरिक 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) का ही बहिष्कार कर दे! चूंकि उनके वोट काटे जा रहे हैं, लिहाजा संविधान में दिए मताधिकार का उल्लंघन किया जा रहा है। यदि संविधान का ही उल्लंघन होता रहा, तो लोकतंत्र किस काम का..? लोकतंत्र की बुनियाद ही आम मतदाता का वोट और जनादेश है।

(एक नजर)

श्राद्ध तिथियां और कब होगा समापन

हिंदू धर्म में पितृ पक्ष यानी श्राद्ध पक्ष का समय पूर्वजों के प्रति आदर, श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त करने का सबसे पावन काल माना गया है। भाद्रपद पूर्णिमा से लेकर आश्विन अमावस्या तक चलने वाले इन 16 दिनों में पितृलोक से हमारे पूर्वज सूक्ष्म रूप में धरती पर अपने परिजनों के बीच पधारते हैं।

साल 2026 में पितृ पक्ष का प्रारंभ 27 सितंबर 2026, रविवार को आश्विन प्रतिपदा श्राद्ध के साथ होने जा रहा है, जो कि 10 अक्टूबर 2026 (शनिवार) को सर्वपितृ अमावस्या के साथ समाप्त होगा। इस बार किसी भी तिथि का क्षय न होने के कारण यह पावन पर्व पूरे 16 दिनों तक श्रद्धा और विधि-विधान के साथ मनाया जाएगा। आइए जानते हैं पितृ पक्ष 2026 की शुरुआत, तर्पण के लिए शुभ मुहूर्त, क्या करना चाहिए और क्या करने से बचना चाहिए।कब है पहला श्राद्ध?प्रतिपदा श्राद्ध (प्रथम तिथि)= 27 सितंबर 2026 (रविवार)सर्वपितृ अमावस्या (समापन)= 10 अक्टूबर 2026 (शनिवार)

विचार

मोबाइल की दीवानगी कहां लेकर जाएगी

प्रमोद निर्वाण
लेखक

युवाओं के स्वास्थ्य और भविष्य पर मोबाइल के नए से नए ब्रांडों का आकर्षण उन्हें दलदल की तरफ धकेल रहा है। महंगे मोबाइल ब्रांडों के जुनून से तो यही लगता है कि इस देश में बेरोजगारी और युवाओं से जुड़ी कोई समस्या बची ही नहीं है। नए से नए मोबाइल ब्रांड को पाने के लिए देश के युवा मारामारी करते रहे हैं। ऐसा लगता है कि जैसे वे इतने जरूरी काम में जुटे हुए हैं कि यदि यह नहीं हुआ तो उनका भविष्य खराब हो जाएगा। एक अमरीकी कंपनी के नए ब्रांड को लेकर युवा रातभर लाइन में खड़े रहे और अपने नंबर का इंतजार करते रहे। दिल्ली से मुंबई तक देश के कई शहरों में इस कंपनी के स्टोर के बाहर सैकड़ों लोग सुबह स्टोर खुलने की इंतजार में रात भर कतार में लगे रहे।

व्यापक संदर्भ में देखें, तो ऐसे मामलों में दोष केवल युवाओं का भी नहीं है। कुछ बच्चे माता-पिता पर दबाव बनाते हैं कि अगर उन्हें लेटेस्ट फोन नहीं मिला तो वे पढ़ाई नहीं करेंगे। बच्चे महंगा स्मार्टफोन यह कहकर मांगते हैं कि इससे पढ़ाई, प्रोजेक्ट और नई तकनीक सीखने में मदद मिलेगी। खासकर कम पढ़े-लिखे माता-पिता को बच्चे कई बार इन वजहों का हवाला देकर समझाने की कोशिश करते हैं। हालांकि कई मामलों में असली वजह दोस्तों के बीच फोन को प्रदर्शित करना और खुद को उनसे पीछे न दिखाना होती है। भारत में मार्केट रिसर्च फर्म 'काउंटरपॉइंट रिसर्च' की रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल बिकने वाले कम से कम 42 प्रतिशत आईफोन ईएमआई (किस्तों) पर खरीदे जाएंगे। देश के ज्यादातर परिवारों की आय सीमित है। ऐसे में 75000 रुपए या उससे महंगे फोन की किस्तें चुकाना कई परिवारों को कर्ज में धकेल रहा हैयुवा किसी भी देश का भविष्य होते हैं। देश का भविष्य बनने वाले युवा भविष्य की चिंता किए बगैर सिर्फ एक झूठी होड़ का शिकार हों तो देश का भला कैसे होगा? मौजूदा दौर में मोबाइल को लेकर जो मारामारी मची हुई है, उसे देख कर लगता है कि जैसे देश के युवाओं के सामने कोई चुनौती नहीं बची है। युवाओं के स्वास्थ्य और भविष्य पर मोबाइल के नए से नए ब्रांडों का आकर्षण उन्हें दलदल की तरफ धकेल रहा है। महंगे मोबाइल ब्रांडों के जुनून से तो यही लगता है कि इस देश में बेरोजगारी और युवाओं से जुड़ी कोई समस्या बची ही नहीं है। नए से नए मोबाइल ब्रांड को पाने के लिए देश के युवा मारामारी करते रहे हैं। ऐसा लगता है कि जैसे वे इतने जरूरी काम में जुटे हुए हैं कि यदि यह नहीं हुआ तो उनका भविष्य खराब हो जाएगा। एक अमरीकी कंपनी के नए ब्रांड को लेकर युवा रातभर लाइन में खड़े रहे और अपने नंबर का इंतजार करते रहे। दिल्ली से मुंबई तक देश के कई शहरों में इस कंपनी के स्टोर के बाहर सैकड़ों लोग सुबह स्टोर खुलने की इंतजार में रात भर कतार में लगे रहे। वह भी एक ऐसे मोबाइल के लिए

जिसकी कीमत भी डेढ़ से सवा तीन लाख रुपए तक की है। इनमें चंद ही ऐसे युवा होंगे जो इतने महंगे फोन से कुछ कमाई करेंगे, बाकी सभी तो सिर्फ जुनून के शिकार हैं। सवाल सिर्फ इतना नहीं है कि लोग महंगा फोन खरीदने के लिए इतनी मेहनत क्यों कर रहे हैं?

बड़ा सवाल यह है कि कुछ लोगों को नया फोन, नई कार, नया गैजेट या कोई भी लेटेस्ट प्रोडक्ट सबसे पहले खरीदने की इतनी जल्दी क्यों होती है। साइकोलॉजी में इसे नयापन अर्थात अनोखा या अलग अनुभव करने की इच्छा कहते हैं। इसे आकर्षण से जोडक़र देखा जाता है। इनसान को नई और अलग चीजें स्वाभाविक तौर पर दिलचस्प लगती हैं। नए प्रोडक्ट के साथ नई तकनीक, नया डिजाइन और नई पहचान जुड़ी होती है। नवीनतम फोन खरीदने की इस होड़ के पीछे फोमो यानी दूसरों से पीछे छूट जाने का डर भी हो सकता है। लोगों को लगने लगता है कि बाकी सभी लोग आगे बढ़ रहे हैं और अगर उन्होंने यह फोन नहीं लिया तो वे पीछे रह जाएंगे। यही कारण है कि कुछ लोग नया फोन आने का महीनों इंतजार करते हैं और लॉन्च होते ही उसे खरीदने के लिए घंटों लाइन में लग जाते हैं। कुछ लोग हर चीज सबसे पहले क्यों लेना चाहते हैं? हर व्यक्ति नई चीज के पीछे एक ही वजह से नहीं भागता। किसी को नई तकनीक पसंद होती है, किसी को नई चीज इस्तेमाल करने का अनुभव अच्छा लगता है, जबकि कुछ लोगों के लिए सबसे पहले नया प्रोडक्ट खरीदना उनकी पहचान और सोशल स्टेटस से जुड़ जाता है। इसके अलावा सोशल मीडिया पर नया फोन दिखाकर रील बनाने और उसे प्रदर्शित करने की चाहत भी इसके आकर्षण को बढ़ा सकती है। कई युवा लेटेस्ट फोन खरीदने के लिए ईएमआई का सहारा लेते हैं। उन्हें लगता है कि अभी फोन ले लेते हैं और पैसे धीरे-धीरे चुका देंगे। सोशल मीडिया ने इस सामाजिक दबाव को और बढ़ाया है। इसका असर सिर्फ युवाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं में भी लेटेस्ट प्रोडक्ट को लेकर ऐसा क्रेज देखने को मिलता है। कई मामलों में माता-पिता बच्चों की इस जिद से परेशान होकर काउंसिलिंग के लिए पहुंचते हैं। मोबाइल फोन की चाहत को लेकर देश में लगातार अपराध बढ़ रहे हैं।

विचार

विकसित भारत की मानवीय आधारशिला

ललित गग
लेखक

भारत में अनौपचारिक क्षेत्र से जुड़े करोड़ों श्रमिकों के संदर्भ में नीति आयोग ने भी यह रेखांकित किया है कि तकनीक अपने आप समावेशी परिवर्तन नहीं ला सकती, अवसरों और सामाजिक सुरक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करना भी जरूरी है।

इस दृष्टि से अंत्योदय का नया अर्थ 'सहायता से सशक्तिकरण' होना चाहिए। गरीब को केवल अनुदान नहीं, अवसर मिले। किसान को केवल राहत नहीं, बेहतर उत्पादकता और बाजार मिले। श्रमिक को केवल रोजगार नहीं, कौशल और सामाजिक सुरक्षा मिले। महिला को केवल कल्याणकारी योजना नहीं, शिक्षा, संपत्ति, उद्यमिता और निर्णय-क्षमता में भागीदारी मिले। ग्रामीण युवा को केवल नौकरी की तलाश में शहर की ओर जाने की मजबूरी न हो, बल्कि उसके गांव और कस्बे में ही कौशल, डिजिटल सुविधा और उद्यम का वातावरण बने। यअंत्योदय योजना ने ग्रामीण और शहरी गरीबों के लिए आजीविका तथा कौशल-विकास को महत्व दिया था।

भारत 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। यह लक्ष्य केवल आर्थिक आकार बढ़ाने का लक्ष्य नहीं हो सकता। विकसित भारत का अर्थ विकसित गांव, सक्षम नागरिक, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य, सम्मानजनक रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, डिजिटल पहुंच, उद्यमिता और अवसरों की समान उपलब्धता भी है।भारत की विकास यात्रा आज ऐसे दौर में है, जब आर्थिक शक्ति, तकनीकी क्षमता, डिजिटल परिवर्तन और वैश्विक प्रभाव के नए अध्याय लिखे जा रहे हैं। 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.8 प्रतिशत दर्ज की गई है और देश को विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन किसी राष्ट्र की वास्तविक समृद्धि केवल उसके सकल घरेलू उत्पाद, ऊंची इमारतों, आधुनिक सड़कों या वैश्विक रैंकिंग से तय नहीं होती। उसकी सबसे बड़ी कसौटी यह है कि विकास की रोशनी उस व्यक्ति तक कितनी पहुंची है, जो विकास की कतार में सबसे पीछे खड़ा है। यहीं से अंत्योदय का विचार प्रासंगिक होता है। हर वर्ष 25 सितंबर को अंत्योदय दिवस मनाया जाता है। यह दिन पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती का दिन है और 25 सितंबर 2014 को भारत सरकार ने इसे अंत्योदय दिवस के रूप में घोषित किया था। इसी अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना को भी शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य ग्रामीण गरीब युवाओं को कौशल और रोजगार के अवसरों से जोड़ना था। इसलिए अंत्योदय दिवस केवल किसी महापुरुष की स्मृति का दिवस नहीं, बल्कि विकास की दिशा और उसकी प्राथमिकताओं पर पुनर्विचार करने का अवसर है।

'अंत्योदय' दो शब्दों से बना है-'अंत्य' अर्थात सबसे अंतिम और 'उदय' अर्थात उत्थान। लेकिन इसका अर्थ केवल किसी गरीब व्यक्ति को सहायता देना नहीं है। अंत्योदय का व्यापक अर्थ है-ऐसी व्यवस्था का निर्माण जिसमें कोई व्यक्ति अवसरों से वंचित न रहे, कोई परिवार बुनियादी सुविधाओं के अभाव में पीछे न छूटे और विकास की प्रक्रिया का लाभ समाज के अंतिम छोर तक पहुंचे। दीनदयाल उपाध्याय के 'एकात्म

मानववाद' में मनुष्य केवल आर्थिक उत्पादन की इकाई नहीं है। उसके शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा-सभी का संतुलित विकास आवश्यक है। यही अंत्योदय को महज कल्याणकारी कार्यक्रम से आगे ले जाकर मानव-केंद्रित विकास-दर्शन बनाता है। आज प्रश्न यह नहीं है कि भारत विकास कर रहा है या नहीं। प्रश्न यह है कि भारत के विकास का लाभ किस गति से, किस गहराई से और किस अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। यही वह प्रश्न है जो अंत्योदय दिवस को 2026 में और अधिक महत्वपूर्ण बनाता है।भारत 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। यह लक्ष्य केवल आर्थिक आकार बढ़ाने का लक्ष्य नहीं हो सकता। विकसित भारत का अर्थ विकसित गांव, सक्षम नागरिक, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य, सम्मानजनक रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, डिजिटल पहुंच, उद्यमिता और अवसरों की समान उपलब्धता भी है। 2026 में नीति-निर्माण में 'समावेशी मानव विकास' को विकसित भारत की चर्चा का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया है। यही कारण है कि आज अंत्योदय की आवश्यकता पहले से कम नहीं, बल्कि अधिक है। आर्थिक विकास जितना तेज होगा, उतनी ही जरूरी होगी यह सावधानी कि विकास की दौड़ में कोई पीछे न छूट जाए। तकनीक जितनी शक्तिशाली होगी, उतना ही जरूरी होगा कि डिजिटल विभाजन कम हो। नए रोजगार जितने पैदा होंगे, उतनी ही आवश्यकता होगी कि गरीब और ग्रामीण युवा उनके लिए आवश्यक कौशल प्राप्त कर सकें। भारत में अनौपचारिक क्षेत्र से जुड़े करोड़ों श्रमिकों के संदर्भ में नीति आयोग ने भी यह रेखांकित किया है कि तकनीक अपने आप समावेशी परिवर्तन नहीं ला सकती, अवसरों और सामाजिक सुरक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करना भी जरूरी है।

इस दृष्टि से अंत्योदय का नया अर्थ 'सहायता से सशक्तिकरण' होना चाहिए। गरीब को केवल अनुदान नहीं, अवसर मिले। किसान को केवल राहत नहीं, बेहतर उत्पादकता और बाजार मिले। श्रमिक को केवल रोजगार नहीं, कौशल और सामाजिक सुरक्षा मिले। महिला को केवल कल्याणकारी योजना नहीं, शिक्षा, संपत्ति, उद्यमिता और निर्णय-क्षमता में भागीदारी मिले। ग्रामीण युवा को केवल नौकरी की तलाश में शहर की ओर जाने की मजबूरी न हो, बल्कि उसके गांव और कस्बे में ही कौशल, डिजिटल सुविधा और उद्यम का वातावरण बने। यअंत्योदय योजना ने ग्रामीण और शहरी गरीबों के लिए आजीविका तथा कौशल-विकास को महत्व दिया था।

विचार

अमेरिकी धरती पर खड़े होकर ट्रंप को घेरना आसान नहीं

नीरज कुमार दुबे
लेखक

संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका को सबसे सीधी चुनौती ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन की ओर से मिली। 23 सितंबर को पेजेशकियन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक दिन पहले दिए गए कड़े बयान का जवाब देते हुए कहा कि ईरान दबाव के आगे नहीं झुकेगा।संयुक्त राष्ट्र महासभा के वार्षिक अधिवेशन में इस बार एक अनोखी तस्वीर देखने को मिली। अमेरिकी धरती न्यूयॉर्क पर खड़े होकर कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने जिस तरह अमेरिका की नीतियों को ही आड़े हाथ लिया, उससे वैश्विक राजनीति में बढ़ती बेचैनी साफ दिखाई दी। ईरान ने सीधे अमेरिका को चुनौती दी, फ्रांस ने महाशक्तियों के तकनीकी और सामरिक वर्चस्व पर सवाल उठाए, सीरिया ने गोलान पहाड़ियों पर अमेरिकी नीति को खारिज किया, जबकि ब्राजील और तुर्किये जैसे देशों ने संप्रभुता, विदेशी हस्तक्षेप और मौजूदा वैश्विक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए। संदेश साफ है कि दुनिया की अनेक सरकारें मौजूदा अंतरराष्ट्रीय संकटों के लिए अमेरिकी नीतियों और व्यापक शक्ति आधारित राजनीति को जिम्मेदार ठहराते हुए अब ज्यादा मुखर दिखाई दे रही हैं।इस पूरे घटनाक्रम में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों का

भाषण बेहद महत्वपूर्ण रहा। 22 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन में मैक्रों ने चेतावनी दी कि दुनिया कहीं फिर से ÷जंगल के कानून÷ की ओर न लौट जाए। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था उस समय कमजोर होती है जब ताकतवर देश नियमों और संस्थाओं से ऊपर खुद को समझने लगते हैं। मैक्रों ने सबसे तीखा सवाल कृत्रिम बुद्धिमत्ता के भविष्य को लेकर उठाया। उनका कहना था कि दुनिया का भविष्य केवल अमेरिका, चीन या कुछ बड़ी निजी कंपनियों के हाथों में नहीं छोड़ा जा सकता। उन्होंने तकनीकी संप्रभुता, ओपन सोर्स अत्याधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणालियों और रक्षा, साइबर सुरक्षा तथा अंतरिक्ष क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय नियमों की आवश्यकता पर जोर दिया। यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में अमेरिकी कंपनियों का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। गाजा के मुद्दे पर भी मैक्रों ने पश्चिमी देशों की नीतियों को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने गाजा की मानवीय स्थिति को बेहद गंभीर बताते हुए मौजूदा शांति प्रयासों पर सवाल उठाया। पश्चिमी तट में बस्तियों से जुड़ी हिंसा की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि पड़ोसी देशों की संप्रभुता का उल्लंघन इजराइल के भविष्य को सुरक्षित नहीं कर सकता। यूक्रेन युद्ध को लेकर उन्होंने नागरिक और ऊर्जा ढांचे पर हमले रोकने तथा काला सागर से अनाज परिवहन की सुरक्षा के लिए दोहरी अस्थायी युद्धविराम व्यवस्था का प्रस्ताव भी रखा।लेकिन संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका को सबसे सीधी चुनौती ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन की ओर से मिली। 23 सितंबर को पेजेशकियन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक दिन पहले दिए गए कड़े बयान का जवाब देते हुए कहा कि ईरान दबाव के आगे नहीं झुकेगा। उन्होंने अमेरिका और इजराइल पर ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई का आरोप लगाते हुए ईरान को आतंकवाद का दोषी नहीं, बल्कि आतंकवाद का पीड़ित बताया।पेजेशकियन ने ईरान के खिलाफ सैन्य और आर्थिक दबाव को लेकर कहा कि उनका देश ÷घुटने नहीं टेकेगा।÷ उन्होंने परमाणु हथियार हासिल करने की इच्छा से इंकार किया, लेकिन शांतिपूर्ण परमाणु तकनीक, विशेषकर चिकित्सा और कृषि के लिए, इन पर किसी तरह की पाबंदी स्वीकार करने से भी साफ इंकार कर दिया। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर भी उन्होंने ईरान के नौवहन अधिकारों पर जोर दिया और अमेरिकी नाकेबंदी समाप्त करने की मांग रखी।हालांकि ईरानी राष्ट्रपति ने युद्ध के बीच कूटनीति का दरवाजा पूरी तरह बंद नहीं किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि बातचीत संभव है, लेकिन इसके लिए अमेरिका को धमकी, बल प्रयोग और प्रतिबंधों की भाषा छोड़नी होगी। इसी बीच ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची और अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के बीच कतर की मध्यस्थता से अप्रत्यक्ष बातचीत भी हुई, लेकिन तत्काल कोई बड़ी सफलता सामने नहीं आई। ईरानी पक्ष आर्थिक और समुद्री प्रतिबंध हटाने तथा फ्रीज हुए धन से जुड़े मुद्दों पर अपनी शर्तों पर कायम रहा।

इस टकराव का सबसे नाटकीय दृश्य तब देखने को मिला जब पेजेशकियन के भाषण के दौरान अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल संयुक्त राष्ट्र महासभा कक्ष से बाहर चला गया। एक ओर मंच पर ईरान अमेरिका को चुनौती दे रहा था, दूसरी ओर पर्दे के पीछे दोनों पक्षों के बीच बातचीत भी चल रही थी। यानी युद्ध और कूटनीति एक साथ आगे बढ़ते दिखाई दिए।वहीं सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा ने भी अमेरिकी नीति पर खुला प्रहार किया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में स्पष्ट कहा कि गोलान पहाड़ियां सीरिया की भूमि हैं और किसी भी बाहरी शक्ति को सीरियाई क्षेत्र किसी दूसरे देश को सौंपने का अधिकार नहीं है। उनका यह बयान अमेरिका द्वारा गोलान पहाड़ियों पर इजराइली संप्रभुता को मान्यता देने वाली नीति के सीधे विरोध में था। साथ ही अल-शरा ने इजराइली सैन्य कार्रवाइयों का उल्लेख करते हुए सैकड़ों हवाई हमलों, बड़ी संख्या में घुसपैठ औ पालन की मांग की।

इन आंकड़ों को प्रस्तुत करने से तात्पर्य है कि खाद्यान्न में यह वृद्धि से अधिक रही है जो कि संतोषजनक स्थिति है और अभी तो भोजन पेट भर मिल रहा है लेकिन प्रश्न यह उठता है कि क्या 2025 में हमें पेट भर भोजन प्राप्त होगा? अगर नहीं तो हम आगे क्या करेंगे?

टिकाऊ खेती आज की आवश्यकता

जनसंख्या एवं खाद्यान्न उत्पादन

भारत की जनसंख्या 2001 की जनगणना के अनुसार 102.7 करोड़ को छू चुकी है जो 1991-2000 तक 1.9 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि में रही, जबकि खाद्यान्न उत्पादन 2003-04 में 213.5 मिलियन टन तक पहुंचा अर्थात् 2.1 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर से.

इन आंकड़ों को प्रस्तुत करने से तात्पर्य है कि खाद्यान्न में यह वृद्धि से अधिक रही है जो कि संतोषजनक स्थिति है और अभी तो भोजन पेट भर मिल रहा है लेकिन प्रश्न यह उठता है कि क्या 2025 में हमें पेट भर भोजन प्राप्त होगा? अगर नहीं तो हम आगे क्या करेंगे?

हमें आगे भी 21वीं सदी के बाद से खाद्यान्न में लगभग 25-30 प्रतिशत की वृद्धि कायम रखनी होगी अन्यथा पूरा देश हमारा सूखा घोषित हो जायेगा जिससे की लगभग 14 प्रतिशत उत्पादन में गिरावट होगी जो भविष्य के लिए प्रगति के उत्तम संकेत नहीं हैं.

भूमि-जल पर्यावरण

खेती में उर्वरकों, कीटनाशकों शाकनाशियों अर्थात् रसायनों के अत्यधिक प्रयोग में भूमि की दशा निश्चय ही खराब हुई है. जिससे की भूमि के लाभदायक कीट, केंचुए, जीवाणु इत्यादि नष्ट हुए हैं, साथ ही साथ सूक्ष्म तत्वों में भी भारी कमी हुई. अतः जीवांश खादों के प्रयोग से हम रोक सकते हैं फसल चक्र अपना सकते हैं उर्वरकों का संतुलित प्रयोग कर सकते हैं कई जंगल भी नष्ट किये गये सघन पद्धतियों के प्रयोग के कारण जिससे पर्यावरण संतुलन बिगड़ा है अर्थात् इसका दोहन कम किया जाए एवं इन्हें संरक्षित किया जाने का प्रयास करना नितांत आवश्यक है.

लाभ/खर्च अनुपात

हमारी बढ़ती हुई जनसंख्या के लिए खाद्यान्न की उपलब्धि बनाये रखने के लिए सस्य रसायनों का प्रयोग निरंतर बढ़ता ही जा रहा है. जिससे की हमारी भूमि में मृदा में तथा मृदा के गुणों पर हानिकारक प्रभाव पड़ रहा है. यदि यह प्रक्रिया लंबी अवधि तक चलती रही तो भूमि एवं जल की उपादेयता समाप्त हो जायेगी और नई पीढ़ी का जीवन ही असुरक्षित हो जायेगा वर्तमान में हमारे देश की जनसंख्या दिनों-दिन बढ़ रही है और कृषि क्षेत्र बराबर कम होता जा रहा है. ऐसी परिस्थिति में हम टिकाऊ खेती का प्रयोग करना अत्यंत आवश्यक है तथा जिसके अंतर्गत प्राकृतिक संसाधनों का इसका इस प्रकार से प्रयोग किया जाए कि वर्तमान व भविष्य दोनों में संतुलन हो. इस प्रकार की खेती का प्रयोग करके हम अपने भविष्य की पीढ़ी को सुरक्षित तो कर रही है बल्कि हमें प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा एवं सुरक्षा करके या उन्हें सुरक्षित बनाये रखने का कर्त्तव्य भी पूरी तरह निभा रहे हैं. अर्थात् हमें टिकाऊ खेती का प्रयोग किया जाना चाहिए. जिसके द्वारा हमें आर्थिक लाभ एवं भारत सरकार को पूर्णतः उत्पादन से लाभ प्राप्त हो सके.

कृषि क्षेत्र में सम्पन्नता लाने के लिए उत्पादकता टिकाऊपन तथा समानता की बहुत जरूरत है हमें भारत में भी बदलते पर्यावरण में कृषि निर्वाह की प्राथमिकता देनी अनिवार्य आवश्यकता है. इसका मुख्य उद्देश्य भविष्य में हम आर्थिक दृष्टि से कारगर, पर्यावरण की दृष्टि त्रुटीहीन सामयिक दृष्टि से सुसंगत प्रौद्योगिकी जो कम लागत पर अधिक से अधिक कृषि उत्पाद दे सकें.

कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि टिकाऊ खेती मानव जाति को निरंतर खुशहाली प्रदान का वचन देती है.

टिकाऊ खेती का महत्व

टिकाऊ खेती का महत्व सबसे अधिक वर्तमान खेती की प्रणालियों, तरीकों एवं समस्याओं को सुधारने में है. टिकाऊ खेती मुख्य रूप से प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा से जुड़ी हुई हैं मृदा, जल, ऊर्जा, वन-विकास एवं जंगली पशुओं की सुरक्षा या इन्हें सुरक्षित रखने से है. टिकाऊ खेती में इनके प्रबंधन पर विशेष प्रकार से ध्यान दिया जाता है. कई प्रकार की उत्पन्न समस्याओं जैसे- सौर ऊर्जा का उचित प्रयोग, वातावरण प्रदूषण की रोकथाम पर्यावरण का संतुलन डगमगाना इत्यादि समस्याओं पर विशेष रूप से ध्यान देना ही इसमें निम्न विषय है अर्थात् भविष्य में टिकाऊ खेती के माध्यम से इन समस्याओं को सुधारने का प्रयास किया जा रहा है.

टिकाऊ खेती का लाभः

- पारिस्थितिकी तंत्र में संतुलन बनाये रखने में टिकाऊ खेती का प्रमुख कार्य है.
- वातावरणीय प्रदूषण कम होता है.
- लगाई फसलों की उत्पादन लागत कम आती है.
- प्राकृतिक संसाधनों का दोहन उचित प्रकार से करते हैं.

धनिया की उन्नत खेती

धनिया हमारे दैनिक उपयोग के मसालों में महत्वपूर्ण स्थान रखता है जो पूरे वर्ष सम्पूर्ण देश में उगाया जाता है इसलिए पूरे वर्ष आय का साधन हो सकता है, हरी पतियां सब्जियों में उपयोग की जाती हैं। धनिया में मधुर सुगंध कोरोमिन्डाल, लिनाकोल, एल्कोहल पदार्थ उपस्थिति के कारण होता है। सूखे धनिया के बीजों को रबी में बोया जाता है। मध्यप्रदेश का 70 प्रतिशत धनिया गुना, अशोक नगर, शिवपुरी, दतिया जिले में उगाया जाता है इसके अलावा शाजापुर, मंदसौर, राजगढ़ जिलों में भी बोया जाता है। अधिक एवं गुणवत्तापूर्ण उपज के लिये उन्नत तकनीक अपनाना आवश्यक है।

भूमि

असिंचित धनिया के लिये काली मिट्टी जिसकी जलधारण क्षमता एवं जल निकास वाली अच्छी भूमि हो और सिंचित धनिया बोने के लिए दोमट एवं बलुई दोमट मिट्टी सर्वोत्तम होती है जिसमें जीवांश की मात्रा पर्याप्त हो।

खेत की तैयारी

असिंचित क्षेत्र में अंतिम वर्षा जल की नमी को संरक्षित करते हुए 2-3 जुताई कर यथाशीघ्र बुवाई करें तथा सिंचित खेत में खरीफ फसल की कटाई के बाद 2-3 जुताई करें।

बुवाई का समय

रबी में बुवाई के लिये 15 अक्टूबर से 30 नवम्बर तक उपयुक्त समय है। देरी बुवाई करने पर भभूतिया रोग की संभावना बढ़ जाती है।

उन्नत जातियां

साधना,पंत हरितिमा, गुजरात धनिया, सिंधु,स्वाति, उदयपुर धनियां-20

खाद एवं उर्वरक प्रबंधन

खेत की तैयारी के समय 15-20 टन अच्छी सड़ी हुई गोबर खाद खेत में मिला दें। सिंचित अवस्था में प्रति हेक्टर 60 किलोग्राम नत्रजन, 40 किलोग्राम फास्फोरस एवं 30 किलोग्राम पोटाश पर्याप्त होता है। जिसमें नत्रजन की आधी मात्रा फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा आधार खाद के रूप में बुवाई के समय बीज के नीचे ऊर कर दें तथा शेष नत्रजन की मात्रा प्रथम एवं द्वितीय सिंचाई के समय दें उस समय खेत में पर्याप्त नमी होना आवश्यक है।

बीज की मात्रा एवं बुवाई विधि

सिंचित अवस्था में बीज दर 12-15 किलो ग्राम तथा असिंचित अवस्था में 25-30 किलोग्राम प्रति हेक्टर बीज की आवश्यकता होती है। जिसे बुवाई पूर्व बीज को 24 घंटे पानी में भिगो कर रखें जिससे अंकुरण शीघ्र और अच्छा होता है। इसके बाद थाइरम या डाइथेम -एम 45 की 3 ग्राम दवा से प्रति किलो बीज उपचारित कर बोयें। बुवाई कतारों में की जाती है जिसमें कतार से कतार की दूरी 25-30 सेमी, पौधे से पौधे की दूरी 5-7 सेमी रखें और बीज को 3-5 सेमी गहराई पर बुवाई करें।

निंदाई एवं गुड़ाई

धनिये की फसल में प्रथम निराई गुड़ाई बुवाई के 25-30 दिन पर करना चाहिये जिसमें जहां अधिक पौधे उगे हों वहां से पौधे उखाड़ दें।

सिंचाई

अच्छी पैदावार के लिये फसल की क्रान्तिक अवस्थायें - जैसे शाखायें फूटते समय, फूल आते समय, बीज बनते समय खेत में पर्याप्त नमी होना चाहिए। सिंचाई 10-15 दिन के अंतराल पर करें जो मिट्टी की किस्म और मौसम पर निर्भर करता है।

फसल उत्पादन

धनिया की फसल बीज के लिये 140-150 दिन में तैयार हो जाती है। बीज के रूप में 15 से 20 क्विं. प्रति हेक्टर उत्पादन प्राप्त होता है। पत्तियों के रूप में बोने के 45 दिन पश्चात से पत्तियों की कटाई कर विक्रय किया जा सकता है।

धनिया कटाई के बाद प्रबंधन

- फसल अवधि पूर्ण होने के पश्चात जब दाने परिपक्व हो जाये एवं दाने हरे रहें तब उसे काटकर छायादार स्थान में सुखाना चाहिए। दाने हरे रंग के रहने से बाजार में अधिक कीमत मिलती

न्यूज इन शॉर्ट

पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा की बड़ी कार्यवाही : सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में बड़े पैमाने पर किया तबादला

सारंगढ़-बिलाईगढ़ । पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा ने प्रशासनिक आवश्यकता को देखते हुए जिले के 13 पुलिस अधिकारी/कर्मचारियों का तत्काल प्रभाव से तबादला आदेश जारी किया है।जारी आदेश के अनुसार निरीक्षक प्रकाश राठौर को बिलाईगढ़ थाना प्रभारी बनाया गया है, जबकि बिलाईगढ़ के थाना प्रभारी रहे राजेश कुमार चंद्रवंशी को रक्षित केंद्र भेजकर जिला विशेष शाखा का प्रभारी बनाया गया है। इसी प्रकार सत्यवादी साहू को डोंगरीपाली से सरिया, रूपेन्द्र नारायण साय को कोसीर, सुनीता बंजारे को रक्षित केंद्र, नंदलाल राठिया को डोंगरीपाली थाना प्रभारी बनाया गया है।उप निरीक्षक अमृत लाल भार्गव को डीसीबी/डीसीआरबी शाखा प्रभारी और भगवती कुर्रे को थाना बिलाईगढ़ भेजा गया है।सहायक उप निरीक्षकों में रामकुमार मानिकपुरी को चौकी प्रभारी कनकबीरा एवं सायबर सेल प्रभारी, नरेन्द्र मनहर को बेलादुला चौकी, टीकाराम खटकर को थाना सरिया, संजय कुमार नायक को थाना सारंगढ़ और सुमन कुमार चौहान को थाना सलिहा मे पदस्थ किया गया है।वहीं भटगांव थाना प्रभारी एस के धारी के स्थानांतरण नहीं होने से भटगांव एवं आसपास क्षेत्र के लोगों मे नाराजगी है क्योंकि अधिकांश लोगों का यहीं कहना है कि जब से थाना प्रभारी के रूप मे पदस्थ हुए है तब से भटगांव एवं आसपास के क्षेत्र के असामाजिक गतिविधियों का ग्राफ बढ़ा है.

धान की फसल में बालियाँ निकलने की अवस्था, महत्वपूर्ण है उचित फसल प्रबंधन- एनआईबीएसएम

रायपुर।छत्तीसगढ़ के कई क्षेत्रों में धान की फसल बालियाँ निकलने की प्रारंभिक अवस्था एवं प्रजनन अवस्था में पहुंच गई है। यह फसल की अत्यंत महत्वपूर्ण अवस्था है, जिसमें बालियों का विकास, दाना बनने और अंतिम उपज पर सीधा प्रभाव पड़ता है। वर्तमान में हो रही बारिश एवं अधिक आर्द्रता को देखते हुए राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान, रायपुर ने किसानों को खेतों की नियमित निगरानी बढ़ाने तथा कीट एवं रोगों की स्थिति के अनुसार वैज्ञानिक एवं अनुशंसित प्रबंधन उपाय अपनाने की सलाह दी है। बालियाँ निकलने की प्रारंभिक अवस्था में धान का पौधा वानस्पतिक वृद्धि से प्रजनन अवस्था की ओर बढ़ता है और पौधे के ऊपरी हिस्से में बालियों का विकास शुरू होता है। इस दौरान खेत में पर्याप्त नमी बनाए रखना आवश्यक है। वहीं, जिन खेतों में पानी का जमाव हो रहा है, वहां उचित जल निकासी सुनिश्चित करने की सलाह दी गई है। संस्थान के निदेशक डॉ. पी. के. राय ने कहा, धान की फसल में बालियाँ निकलने की अवस्था फसल प्रबंधन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस अवधि में किया गया उचित प्रबंधन बालियों के विकास, दाना बनने और उपज को सीधे प्रभावित करता है। किसानों को संतुलित पोषण, पर्याप्त नमी और नियमित खेत निगरानी पर ध्यान देना चाहिए तथा बिना आवश्यकता कृषि रसायनों के प्रयोग से बचना चाहिए। प्रजनन अवस्था में किसानों को तना छेदक एवं ब्राउन प्लांट हॉपर (भूरा माहू) की विशेष निगरानी करनी चाहिए। तना छेदक के प्रकोप से सफेद बालियाँ (व्हाइट ईयर हेड) बन सकती हैं, जबकि ब्राउन प्लांट हॉपर पौधे के निचले हिस्से से रस चूसकर गोलाकार रूप में फसल के सूखने की स्थिति पैदा कर सकता है, जिसे ‘हॉपर बर्न’ कहा जाता है। नियमित निगरानी तथा आवश्यकता के अनुसार फेरोमोन ट्रैप का उपयोग प्रारंभिक पहचान में सहायक हो सकता है।

संस्थान के संयुक्त निदेशक डॉ. पंकज शर्मा ने रोगों की प्रारंभिक पहचान पर जोर देते हुए कहा, ‘लगातार अधिक आर्द्रता और घनी फसल की स्थिति में शीथ ब्लाइट एवं ब्लास्ट जैसे रोग तेजी से फैल सकते हैं। रोग के लक्षणों की समय पर पहचान और आवश्यकता के अनुसार उचित प्रबंधन से संभावित उपज हानि को कम किया जा सकता है।

सरसींवा पुलिस द्वारा ट्रक रोककर मारपीट एवं डकैती की वारदात को अंजाम देने वाले 07 आरोपियों सहित 01 विधि से संघर्षरत बालक को भेजा न्यायिक रिमाण्ड पर

घटना में उपयोग लाये 04 नग मोटर सायकल सहित छीने गये मोबाईल, गैस चुल्हा, कोल्ड्रींक की पेटियों को किया गया बरामद

आरोपियों के पूर्व में भी है कई आपराधिक रिकार्ड

संवाददाता ➤ रायपुर

सरसींवा, प्रार्थी राजशांति प्रकाश बिके द्वारा अपने भाई के साथ ट्रक क्रमांक एमएच 33 टी 7010 में दिनांक 18.09.2026 को उडिसा बरगढ़ से कोल्ड्रींक की पेटियां लोड कर सरायपाली-सरसींवा मार्ग से बिलासपुर जा रहे थे कि इसी दौरान लगभग रात्रि 02:30 बजे शासकीय अस्पताल गाताडीह के सामने मेन रोड पर चार मोटर सायकल में सवार व्यक्तियों द्वारा ट्रक के सामने आकर कांच के शीशा को पत्थर मारकर तोडकर वाहन को रूकवाकर प्रार्थी एवं उसके साथ के साथ गाली गलौज एवं मारपीट करने बाद मोबाईल फोन, गैस चुल्हा, कोल्डींक की पेटिंया छीनकर ले जाने की रिपोर्ट पर थाना सरसींवा में अपराध क्रमांक 246/2026 धारा 310(2),126(2),324(4) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा घटना की गंभीरता को देखते हुये थाना सरसींवा को त्वरित कार्यवाही हेतु दिशा निर्देश दिया गया जिस पर तत्काल अलग-अलग टीमों का गठन कर क्षेत्र सुचनातंत्र सक्रिय किया गया जिससे ऐसी घटना करने वालो की जानकारी मिली जिससे ग्राम सोहागपुर के यशवंत साहू उर्फ सोनू साहू, ग्राम जोगेसरा के शशांक रात्रे उर्फ राजा रात्रे, सरसींवा के यशस्वी साहू उर्फ बंटी साहू, मोहतरा (न) के छोटेलाल साहू, देवेन्द्र साहू उर्फ नानु, चिचोली के पुष्पेन्द्र चैहान, तिलाईपाली के मुकेश कुर्रे एवं अन्य की घटना दिनांक को क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियां होनें की जानकारी मिलने पर पुलिस टीमों को सक्रिय कर सभी से कड़ाई से पूछताछ करने पर उन्होने बताया कि सभी ने मिलकर योजना बनाई थी कि गाताडीह से सरसींवा जाने वाली सुनसान रोड में रात में किसी दुसरे राज्य की गाडी को रोककर उससे पैसा सामान लूट लेंगे इसके बाद रात्रि करीब 02:30 बजे ट्रक क्रमांक चुल्हा और कोल्ड्रींक की पेटियों को छीनकर आपस में बटवारा कर ले जाना बताये है।

स.शि.मं. में वन्देमारतम् का सामूहिक गायन

संवाददाता ➤ डोंगरगांव

सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डोंगरगाँव में राष्ट्रगीत वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के पावन अवसर पर विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा नमामि भारतम् कार्यक्रम के अन्तर्गत एक ऐतिहासिक वन्दे मारतम् सामूहिक गायन कार्यक्रम पूरे देशभर में एक समय, एक लय, एक स्वर में आयोजित कर विश्व कीर्तिमान रचने जा रहा है । इसी अवसर पर विद्यालय में राष्ट्रगीत वन्देमातरम् का सामूहिक गायन का आयोजन दिनांक 25/09/2026 को प्रातः 11.00 बजे सम्पन्न हुआ । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. ए.के. धमगाय जी (प्राचार्य, शास.डॉ.बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय डोंगरगाँव), अध्यक्षता श्री चेतन साहू जी (व्याख्याता महाविद्यालय डोंगरगांव), विशेष अतिथि श्री आर.डी. मानिकपुरी जी (जिला समन्वयक), श्री रोशन पटेल जी (खेल विभाग), श्री रामकिशन माहेश्वरी जी (अध्यक्ष, सरस्वती शिक्षा समिति), श्री अनिल टावरी जी (कोषाध्यक्ष, सरस्वती शिक्षा समिति), वरिष्ठ आचार्य श्री हृदय राम पटेल जी उपस्थित रहे ।

कार्यक्रम का शुंभारभ माँ सरस्वती, भारतमाता के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन, वंदना के साथ प्रारंभ हुआ । तत्पश्चात् मुख्य अतिथि डॉ. ए.के. धमगाय जी ने छात्रों को संबोधित करते हुए राष्ट्रगीत वन्देमारतम् के विषय में कहा कि - वन्दे मातरम् गीत यह केवल गीत नहीं अपितु यह गीत राष्ट्र प्रेम की भावना जागृत करती है एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव के लिए प्रेरित करती है । कार्यक्रम की समाप्ति पर विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य श्री हृदय राम पटेल ने आभार व्यक्त किया । इस प्रकार राष्ट्रगीत का सामूहिक गायन का सफल आयोजन में सभी आचार्य, दीदी का सहयोगी सराहनीय रहा ।

'सेवा की कहानी: हुनर से आत्मनिर्भर बनीं उर्मिला, बुटीक शुरू कर अब दूसरों को भी दे रहीं रोजगार'

सेवा की कहानी- हुनर से आत्मनिर्भर बनीं उर्मिला, बुटीक शुरू कर अब दूसरों को भी दे रहीं रोजगार'

'छह माह के कौशल प्रशिक्षण ने खोली स्वरोजगार की राह, अम्बिकापुर में शुरू किया खुद का बुटीक'

संवाददाता ➤ रायपुर

हुनर को जब प्रशिक्षण और अवसर का साथ मिलता है, तो वह आत्मनिर्भरता के साथ दूसरों के लिए भी रोजगार की राह खोल सकता है। सूरजपुर जिले के ग्राम राजापुर, पोस्ट साल्ही की उर्मिला सिंह ने कौशल प्रशिक्षण से मिले हुनर को अपनी आजीविका का आधार बनाकर इसे साबित किया है। छह माह का प्रशिक्षण लेने के बाद उर्मिला ने अम्बिकापुर में अपना बुटीक शुरू किया। आज वे स्वयं प्रतिमाह 12 से 15 हजार रुपये तक की आमदनी कर रही हैं, दो लोगों को रोजगार दे रही हैं और चार-पांच लोगों को सिलाई का प्रशिक्षण भी दे रही हैं।

'खेती-किसानी से जुड़े परिवार की बेटी ने हुनर को बनाया ताकत'

उर्मिला बताती हैं कि उनके माता-पिता खेती-बाड़ी करते हैं। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा गांव में ही पूरी की और इसके बाद सूरजपुर से कॉलेज की पढ़ाई की। पढ़ाई पूरी होने के बाद उन्हें कौशल विकास के तहत प्रशिक्षण की जानकारी मिली। उन्होंने जन शिक्षण संस्थान के माध्यम से छह माह का प्रशिक्षण लिया। प्रशिक्षण में मिले व्यावहारिक ज्ञान और सिलाई के हुनर ने उन्हें स्वयं का काम शुरू करने का आत्मविश्वास दिया।

'प्रशिक्षण के बाद अम्बिकापुर में शुरू किया अपना बुटीक'

कौशल प्रशिक्षण पूरा करने के बाद उर्मिला ने नौकरी की प्रतीक्षा करने के बजाय अपने हुनर को स्वरोजगार में बदलने का निर्णय लिया। करीब तीन-चार महीने पहले उन्होंने अम्बिकापुर में अपना बुटीक शुरू किया। वे महिलाओं के विभिन्न प्रकार के परिधान तैयार करती हैं। प्रशिक्षण से मिली दक्षता का उपयोग करते हुए उन्होंने कम समय में ही अपने काम को आगे बढ़ाना शुरू कर दिया है।उर्मिला की उपलब्धि केवल स्वयं का रोजगार शुरू करने तक सीमित नहीं है। उन्होंने अपने बुटीक में दो लोगों को रोजगार दिया है। इसके साथ ही चार से पांच लोगों को सिलाई की बारीकियां और परिधान तैयार करने का काम भी सिखा रही हैं, ताकि वे भी हुनर सीखकर अपनी आजीविका का साधन तैयार कर सकें।

सरसींवा पुलिस द्वारा ट्रक रोककर मारपीट एवं डकैती की वारदात को अंजाम देने वाले 07 आरोपियों सहित 01 विधि से संघर्षरत बालक को भेजा न्यायिक रिमाण्ड पर

घटना में उपयोग लाये 04 नग मोटर सायकल सहित छीने गये मोबाईल, गैस चुल्हा, कोल्ड्रींक की पेटियों को किया गया बरामद

आरोपियों के पूर्व में भी है कई आपराधिक रिकार्ड

संवाददाता ➤ रायपुर

सरसींवा, प्रार्थी राजशांति प्रकाश बिके द्वारा अपने भाई के साथ ट्रक क्रमांक एमएच 33 टी 7010 में दिनांक 18.09.2026 को उडिसा बरगढ़ से कोल्ड्रींक की पेटियां लोड कर सरायपाली-सरसींवा मार्ग से बिलासपुर जा रहे थे कि इसी दौरान लगभग रात्रि 02:30 बजे शासकीय अस्पताल गाताडीह के सामने मेन रोड पर चार मोटर सायकल में सवार व्यक्तियों द्वारा ट्रक के सामने आकर कांच के शीशा को पत्थर मारकर तोडकर वाहन को रूकवाकर प्रार्थी एवं उसके साथ के साथ गाली गलौज एवं मारपीट करने बाद मोबाईल फोन, गैस चुल्हा, कोल्डींक की पेटिंया छीनकर ले जाने की रिपोर्ट पर थाना सरसींवा में अपराध क्रमांक 246/2026 धारा 310(2),126(2),324(4) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा घटना की गंभीरता को देखते हुये थाना सरसींवा को त्वरित कार्यवाही हेतु दिशा निर्देश दिया गया जिस पर तत्काल अलग-अलग टीमों का गठन कर क्षेत्र सुचनातंत्र सक्रिय किया गया जिससे ऐसी घटना करने वालो की जानकारी मिली जिससे ग्राम सोहागपुर के यशवंत साहू उर्फ सोनू साहू, ग्राम जोगेसरा के शशांक रात्रे उर्फ राजा रात्रे, सरसींवा के यशस्वी साहू उर्फ बंटी साहू, मोहतरा (न) के छोटेलाल साहू, देवेन्द्र साहू उर्फ नानु, चिचोली के पुष्पेन्द्र चैहान, तिलाईपाली के मुकेश कुर्रे एवं अन्य की घटना दिनांक को क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियां होनें की जानकारी मिलने पर पुलिस टीमों को सक्रिय कर सभी से कड़ाई से पूछताछ करने पर उन्होने बताया कि सभी ने मिलकर योजना बनाई थी कि गाताडीह से सरसींवा जाने वाली सुनसान रोड में रात में किसी दुसरे राज्य की गाडी को रोककर उससे पैसा सामान लूट लेंगे इसके बाद रात्रि करीब 02:30 बजे ट्रक क्रमांक एमएच 33 टी 7010 को रोककर ड्रायवर और उसके साथी से डरा कर मारपीट कर ड्रायवर का मोबाईल, गैंस चुल्हा और कोल्ड्रींक की पेटियों को छीनकर आपस में बटवारा कर ले जाना बताये है। आरोपियों के निशानदेही पर घटना में इस्तमाल की गई 04 मोटर सायकल, प्रार्थी का मोबाईल, गैंस चुल्हा और कोल्ड्रींक की पेटियों को बरामद किया गया है। प्रकरण के आरोपी पूर्व से ही आपराधिक प्रवृत्ती का रहे है, जिन्हे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है।

'सेवा संकल्प अभियान' में 52 युवाओं का चयन, 3 नियोजकों ने 212 रिक्तियों के साथ दिया रोजगार का अवसर

सारंगढ़ में रोजगार मेला बना युवाओं के सपनों को अवसर देने का माध्यम

संवाददाता ➤ सारंगढ़-बिलाईगढ़

रोजगार की तलाश में अवसर की राह देख रहे जिले के शिक्षित युवाओं के लिए 25 सितंबर का दिन उम्मीद लेकर आया।

सारंगढ़ में आयोजित जिला स्तरीय रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की कंपनियों ने युवाओं को अपनी योग्यता और क्षमता के अनुरूप रोजगार पाने का अवसर दिया। कुल 212 रिक्तियों के लिए आयोजित भर्ती प्रक्रिया में ऑनलाइन पंजीकृत 290 आवेदनों में से 73 अभ्यर्थी साक्षात्कार के लिए उपस्थित हुए और 52 युवाओं का चयन किया गया। तीन नियोजकों की सहभागिता से आयोजित यह रोजगार मेला युवाओं के लिए नौकरी पाने के साथ अपने जीवन को नई दिशा देने का माध्यम बना।

राज्य शासन की मंशा और कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई साहू के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस रोजगार मेले का उद्देश्य जिले के शिक्षित एवं योग्य युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना और उन्हें रोजगार से जोड़ना रहा। सारंगढ़ के पी.एम. श्री स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित मेले में युवाओं ने विभिन्न पदों के लिए साक्षात्कार में हिस्सा लिया।

रोजगार मेले में विभिन्न निजी नियोजकों द्वारा वित्तीय सेवाओं, ग्राहक संबंध, ऋण, बीमा, वसूली और इलेक्ट्रिक मीटर तकनीशियन जैसे पदों पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए। इन अवसरों के माध्यम से युवाओं को उनके कौशल और योग्यता के अनुरूप निजी क्षेत्र में आगे बढ़ने का रास्ता मिला। निर्धारित पदों के लिए वेतनमान भी पद और नियोजक के अनुसार तय किया गया था, जिससे युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार के साथ अपनी आय का साधन विकसित करने का अवसर मिला।

पदों पर भर्ती की प्रक्रिया में युवाओं को शामिल किया गया

इस रोजगार मेले में मेसर्स वेक्टर फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड, रायपुर द्वारा कस्टमर रिलेशनशिप ऑफिसर के पदों पर भर्ती प्रक्रिया में सहभागिता की गई। वहीं मेसर्स श्रीराम फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड, रायपुर द्वारा फाइनेंशियल कंसल्टेंट, लोन ऑफिसर, इंश्योरेंस एडवाइजर और कलेक्शन ऑफिसर जैसे पदों के लिए अवसर उपलब्ध कराए गए। मेसर्स श्रीमीन टैलेंट प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा द्वारा इलेक्ट्रिक मीटर टेक्नीशियन के पदों पर भर्ती की प्रक्रिया में युवाओं को शामिल किया गया।

रोजगार मेले में पहुंचे युवाओं के लिए यह केवल साक्षात्कार में शामिल होने का अवसर नहीं था, बल्कि अपने भविष्य के लिए एक कदम आगे बढ़ाने का अवसर भी था। नौकरी मिलने से युवाओं के सामने नियमित आय, आत्मनिर्भरता और अपने परिवार की जरूरतों में योगदान देने की संभावनाएं मजबूत होती हैं। यही कारण है कि रोजगार का एक अवसर किसी युवा के लिए केवल नियुक्ति पत्र तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसके जीवन को आगे बढ़ाने का आधार बनता है।

'सेवा संकल्प अभियान' के साथ आयोजित यह रोजगार मेला शासन और प्रशासन की उस पहल को सामने लाता है, जिसमें युवाओं को केवल योजनाओं की जानकारी देने के बजाय उन्हें वास्तविक अवसरों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। 290 युवाओं का ऑनलाइन पंजीयन, 73 अभ्यर्थियों की साक्षात्कार में उपस्थिति और 52 युवाओं का चयन इस पहल की जमीनी तस्वीर प्रस्तुत करता है। रोजगार की तलाश में निकले इन युवाओं के लिए सारंगढ़ का यह मेला अवसर से आगे बढ़कर अपने भविष्य को नई दिशा देने की शुरुआत बना है।

एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अभिषेक शर्मा** द्वारा 202, भाटागांव चौराहा , रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन 492015 से प्रकाशित एवं आसमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड , गॉस मेमोरियल हाल के पास , जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित।

संपादक - रिज़वान आज़म, **समूह संपादक**- महेश कुमार तिवारी ईमेल - eksatbulletin@gmail.com R.N.I Number - CHHHIN/2020/78457 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार ।